दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-39 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 29 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो दूसरों की पीड़ा को हल्के में लेता है, वह अपने भीतर की मानवता को सबसे भारी बोझ में बदल लेता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'समुद्र में फेंका गया पत्थर और मन की अथाह गहराइयां'

किसी इंसान को दर्द देना वास्तव में उतना ही आसान है, जितना समुद्र में एक पत्थर फेंक देना। एक क्षण का आवेग, एक कटु शब्द, एक उपेक्षित व्यवहार–और पत्थर हाथ से छूट जाता है। पानी की सतह पर कुछ लहरें उठती हैं, फिर सब शांत दिखने लगता है। देखने वाले को लगता है कि कुछ हुआ ही नहीं। लेकिन कोई यह नहीं जानता कि वह पत्थर समुद्र की कितनी गहराई तक गया, किन जीवों को घायल किया, किस तल को हिला गया और किन अदृश्य धाराओं को विचलित कर गया। यही हाल मनुष्य के मन का है। बाहर से शांत दिखने वाला व्यक्ति भीतर कितनी टूट-फूट झेल रहा है, इसका अनुमान लगाना आसान नहीं होता। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

हम जिस समाज में जी रहे हैं, वहां शब्दों की कीमत तेजी से गिरती जा रही है। बोलना आसान हो गया है, सोचने की जिम्मेदारी कठिन। सोशल मीडिया से लेकर रोज़मर्रा की बातचीत तक, हम कब किसी पर तंज कस दें, कब किसी की असफलता का मज़ाक बना दें, कब किसी की कमजोरी को सार्वजनिक तमाशा बना दें–हमें खुद पता नहीं चलता। हम अक्सर यह मान लेते हैं कि सामने वाला 'मज़बूत' है, 'आदत डाल लेगा', 'इतनी सी बात से क्या फर्क पड़ेगा।' लेकिन यही 'इतनी सी बात' किसी के भीतर सालों तक गूंजती रहती है।

सामाजिक जीवन में संवेदनशीलता धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है। सफलता का शोर इतना तेज़ है कि असफलता की सिसकियां सुनाई ही नहीं देती। हम दूसरों को आंकने में बहुत तेज़ हैं–उसकी कमाई, उसका पद, उसकी पढ़ाई, उसका पहनावा–लेकिन उसके मन की स्थिति को समझने में बेहद सुस्त। किसी को नीचा दिखाकर, उसे उसकी 'हैसियत' याद दिलाकर, हम अपने अहंकार को तुष्ट कर लेते हैं। यह भूल जाते हैं कि अहंकार से उपजा हर पत्थर किसी न किसी मन-समुद्र में जाकर डूबता है।दर्द का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि वह अक्सर दिखाई नहीं देता। शारीरिक घाव तो समय के साथ भर जाते हैं, लेकिन मानसिक आघात कई बार जीवन भर का बोझ बन जाते हैं। बचपन में सुना गया एक अपमान, युवावस्था में मिली एक ठोकर, या परिवार-सामाजिक दायरे में मिली उपेक्षा–ये सब मन की गहराइयों में जाकर बैठ जाते हैं। बाहर से व्यक्ति हंसता-बोलता रहता है, अपने कर्तव्यों का निर्वाह करता है, लेकिन भीतर कहीं न कहीं वह पत्थर पड़ा रहता है, जो उसे हर शांत क्षण में चुभता है। विडंबना यह है कि हम अक्सर अपने ही लोगों को सबसे अधिक चोट पहुंचाते हैं। परिवार, रिश्ते, मित्रता–जहां सुरक्षा और समझ होनी चाहिए, वहीं अपेक्षाओं और तुलना का बोझ सबसे भारी होता है। 'तुम्हें तो यह करना ही चाहिए था', 'देखो फलां कितना आगे निकल गया', 'तुमसे कुछ नहीं होगा'–ऐसे वाक्य अनजाने में कह दिए जाते हैं, लेकिन सामने वाले के आत्मविश्वास को गहरे पानी में डुबो देते हैं। बाद में हम यह कहकर बच निकलते हैं कि 'हम तो भलाई के लिए कह रहे थे।'

समाज में चेतना जागृत करने का अर्थ यही है कि हम अपने व्यवहार की गहराई को समझें। हर इंसान की अपनी लड़ाई होती है, जो वह चुपचाप लड़ रहा होता है। कोई आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, कोई पहचान के संकट से, कोई रिश्तों की टूटन से, तो कोई अकेलेपन से। ऐसे में यदि हम थोड़ी सी संवेदना दिखा दें, तो शायद पत्थर फेंकने से बच सकते हैं। कभी-कभी चुप रह जाना भी करुणा का सबसे बड़ा रूप होता है। सामाजिक मूल्यों की पुनर्स्थापना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मूल्य केवल बड़े भाषणों और मंचों से नहीं आते, वे हमारे छोटे-छोटे व्यवहार में झलकते हैं। हम कैसे बोलते हैं, कैसे सुनते हैं, कैसे असहमति जताते हैं–यहीं से समाज का चरित्र बनता है। यदि हम आलोचना करें भी, तो वह सुधार की भावना से हो, अपमान की मंशा से नहीं। यदि हम मज़ाक करें, तो उसमें मानवीय गरिमा का ध्यान रहे। आज जब अवसाद, तनाव और आत्महत्या जैसे विषय आम होते जा रहे हैं, तब यह समझना और भी ज़रूरी है कि हर पत्थर के परिणाम होते हैं। कोई एक कठोर टिप्पणी किसी को वर्षों पीछे धकेल सकती है। वहीं, एक सहानुभूतिपूर्ण शब्द किसी डूबते हुए व्यक्ति के लिए तिनके का सहारा बन सकता है। समाज का स्वस्थ होना केवल कानूनों और योजनाओं से नहीं, बल्कि दिलों की भाषा बदलने से संभव है।इसलिए अगली बार जब कोई पत्थर हाथ में आए–यानी कोई कटु शब्द, कोई तंज, कोई उपेक्षा–तो एक पल ठहरिए। सोचिए कि यह किस समुद्र में जा गिरेगा। उसकी गहराई कितनी होगी, और वहाँ पहले से कितने घाव मौजूद होंगे। यदि हम यह सोचने की आदत डाल लें, तो शायद समाज में दर्द कम और समझ ज़्यादा होगी। यही सामाजिक चेतना का पहला और सबसे जरूरी कदम है।

डबल इंजन की सरकार डबल भ्रष्टाचार कर रही: डोटासरा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- हमने अरावली बचाओ और एसआईआर को लेकर जिलों में कार्यक्रम किए थे। जिन 8 जिलों में यह कार्यक्रम नहीं हुआ, हम उन जिला कांग्रेस कमेटियों को नोटिस देकर पूछेंगे कि उनकी ऐसी क्या मजबूरी रही कि उनके यहां कार्यक्रम नहीं हुए।

जायज काम भी भ्रष्टाचार के बिना नहीं होता

डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री से कोई पूछे कि आप रोज ईमानदारी का भाषण दे रहे हैं, लेकिन उनका एक भी मंत्री या विधायक ईमानदारी से काम नहीं कर रहा है। इनका एक भी ब्यूरोक्रेट ईमानदारी से काम नहीं कर रहा है।

आज किसी अधिकारी के पास कोई जाता है तो जायज होने वाला काम भी भ्रष्टाचार के बगैर नहीं होता है, इस तरह के तो इनके हालात बने हुए हैं। ये लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन लोकतंत्र को खुद खत्म कर रहे हैं। इन्हें पंचायत और निकाय चुनाव 9 महीने में कराने थे, लेकिन आज सरकार बनने के दो साल बाद भी इन्होंने चुनाव नहीं करवाए।

कांग्रेस विचारधारा के व्यक्ति को ही मिलेगा टिकट

कांग्रेस के स्थापना दिवस कार्यक्रम में अधिकांश विधायक और सांसदों की गैर मौजूदगी को लेकर पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि हम इतने आराम पसंद हो गए कि टिकट लेनी है, चुनाव लड़ना है और फिर चले जाना है।

फिर दोबारा 5 साल बाद आएंगे, फिर टिकट लेंगे, फिर चले जाएंगे। यह सिलसिला बंद करना पड़ेगा। अब जो कांग्रेस की विचारधारा का व्यक्ति होगा, उसी को टिकट मिलेगा। वहीं, टिकट मिलने के बाद वह व्यक्ति पार्टी के हर कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे, यह कांग्रेस पार्टी का संगठन देखेगा।

दोनों हाथ से लूटने का काम कर रहे

जायज काम भी भ्रष्टाचार के बिना नहीं होता

सरकार पर निशाना साधते हुए डोटासरा ने कहा-

पिछले दो साल से सीएम भजनलाल शर्मा के भाषण सुन रहे हैं। वे कहते हैं कि हमने भ्रष्टाचार रोक दिया, कांग्रेस ने भ्रष्टाचार किया, कांग्रेस ये खा गई, कांग्रेस वो खा गई।

तो तुम कर क्या रहे हो? जो खा गए, उनसे निकलवाओ तो सही, उनके खिलाफ कार्रवाई तो करो। लेकिन सही बात यह है कि भ्रष्टाचार डबल करने का काम यह डबल इंजन की सरकार कर रही है। आज जो अरावली की परिभाषा इन्होंने बदली है, वो खनन माफियाओं के लिए बदली गई है। इनकी राष्ट्र के प्रति कोई सोच नहीं है। इन्हें कई सालों बाद सत्ता मिली है, ऐसे में यह दोनों हाथों से लूटने का काम कर रहे हैं। जयपुर में कांग्रेस स्थापना दिवस के कार्यक्रम ये बातें कहीं।

चूरू आरोग्य मेले का समापन, 24 हजार को लाभ:16 हजार ने किया भ्रमण, 1 हजार को बांटे औषधीय पौधे

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू। चूरू के पुलिस लाइन मैदान में आयोजित संभाग स्तरीय आरोग्य मेले का रविवार शाम को समापन हो गया। इस मेले में 24 हजार रोगियों को चिकित्सकीय फायदा मिला, जबकि 16 हजार व्यक्तियों ने मेले का भ्रमण कर परामर्श लिया। एक हजार लोगों को औषधीय पौधों का वितरण भी किया गया। समापन समारोह में भारत सरकार से फैलोशिप पुरस्कार से सम्मानित चिकित्सक वैद्य रामावतार शर्मा और अतिरिक्त निदेशक डॉ. सत्यवीर सिंह सहित कई अतिथियों ने शिरकत की। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।सहायक निदेशक डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि आमजन ने मेले में सक्रिय भागीदारी निभाई और चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। विभिन्न स्टॉलों पर लोगों ने आयुष उत्पादों की जानकारी ली, साथ ही प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और योगाभ्यास में भी भाग लिया।

मेले के दौरान आगंतुकों को नि:शुल्क अंकुरित नाश्ता, प्राकृतिक हर्बल चाय और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला काढ़ा उपलब्ध करवाया गया। औषधीय पादपों की प्रदर्शनी भी लोगों के बीच उत्सुकता का केंद्र रही। डॉ. रमेश कस्वां ने मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान दिया। शनिवार को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में डॉ. कमल वशिष्ठ, राजेंद्र शर्मा 'मुसाफिर' और संजय शर्मा ने साहित्यिक, गजल और संगीत की प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर बीकानेर के उपनिदेशक डॉ. बालमल शर्मा, सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र सिंह भाटी, डॉ. नंद सिंह, डॉ. रिडमल सिंह, डॉ. रामकिशन शर्मा और डॉ. राधेश्याम सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

पाटन में अरावली संरक्षण को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन:

नीमकाथाना को जिला बनाने की मांग, शहर में निकाला जुलूस

भीम प्रज्ञा न्यूज

पाटन (राजस्थान)। पाटन में रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर एक विशाल जुलूस निकाला गया। यह जुलूस अरावली पर्वतमाला को अवैध खनन से बचाने और ऐतिहासिक व प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नीम का थाना को पुनः जिला बनाने की मांग को लेकर आयोजित किया गया था। जुलूस में कांग्रेस कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। यह पाटन के प्रमुख मार्गों से होते हुए आगे बढ़ा, जहां प्रदर्शनकारियों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से उठाया।

अवैध खनन को लेकर जताई चिंता

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि अरावली पर्वतमाला पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह क्षेत्र के जलस्तर व जीवन-रेखा से भी जुड़ी हुई है। इसके बावजूद लगातार हो रहा अवैध खनन भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नीम का थाना का जिला दर्जा समाप्त किए जाने से आमजन को प्रशासनिक और विकास संबंधी कार्यों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन जनहित के मुद्दों पर शीघ्र ठोस निर्णय नहीं लिया, तो कांग्रेस पार्टी और क्षेत्र की जनता इस आंदोलन को और अधिक व्यापक रूप देगी। यह जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

ये रहे मौजूद

इस दौरान पीसीसी सदस्य कांता प्रसाद शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष मालाराम, दिनेश यादव छाजा का नांगल श्री राम, हरिराम कैप्टन, धर्मपाल करजो, सुरेश यादव रामपुरा, महेंद्र, राजू खान और सीताराम शास्त्री कमल डाबला सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

'जल-जंगल-जमीन को कॉर्पोरेट के हवाले कर रही सरकार':

अरावली बचाने को लेकर भाकपा का आंदोलन, ऊंचाई वाले नियम बदले सरकार

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं। 'पर्यावरण बचाओ, भारत बचाओ' दिवस के अवसर पर रविवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर बुहाना तहसील कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने अरावली के साथ-साथ हिमालय, ग्रेट निकोबार और हसदेव के जंगलों को बचाने की मांग करते हुए केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए। पार्टी नेताओं ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय की कमेटी की सिफारिशों के कारण अरावली के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। वक्ताओं ने चिंता व्यक्त की कि नवंबर में आए एक निर्णय के अनुसार, 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले हिस्सों को पहाड़ नहीं मानने की वजह से लगभग 90 प्रतिशत अरावली संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगी।

कॉर्पोरेट लूट का लगाया आरोप

जिला सचिव रामचंद्र कुलहरि ने कहा कि सरकार अपने 'कॉर्पोरेट मित्रों' को फायदा पहुंचाने के लिए देश की प्राकृतिक संपदा को दांव पर लगा रही है। चारधाम सड़क और विद्युत परियोजनाओं के नाम पर सुरंगें बनाकर हिमालय को खोखला किया जा रहा है।छत्तीसगढ़ में लाखों पेड़ों की कटाई कर जमीन गौतम अडाणी को सौंपी जा रही है। 130 किलोमीटर के घने जंगलों को नष्ट करने की योजना बनाई जा रही है।

ऊंचाई संबंधी निर्णय को बदलवाएं

भाकपा (माले) ने मांग की है कि केंद्र सरकार तुरंत सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करे और 100 मीटर की ऊंचाई संबंधी निर्णय को बदलवाएं। नेताओं ने कहा कि यदि अरावली के पहाड़ों को खनन माफियाओं से बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो राजस्थान की जनता सड़कों पर उतरकर बड़ा जन-आंदोलन करेगी।

ये रहे प्रदर्शन में शामिल

इस विरोध प्रदर्शन में जिला सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि, पूर्व सचिव (बुहाना-खेतड़ी) हरी सिंह वेदी, मनफूल सिंह (सचिव, सिंघाना-खेतड़ी), अखिल भारतीय किसान महासभा के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश झारोड़ा, विधाधर सिंह गर्सा, जसवीर सिंह नेहरा, कमलकांत, रामचंद्र नेहरा, शौकीन, श्रीवास कुलहरि, महावीर सिंह सुलताना अहिरान्, जीतराम जोधपुर और सत्यवीर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जाट समाज प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहपुर।

राज वर्मा। रविवार को जाट बोर्डिंग फतेहपुर में जाट समाज शिक्षा विकास संगठन फतेहपुर द्वारा कार्यक्रम आयोजित हुआ कार्यक्रम संयोजक सुरेश डारा ने बताया कि इसमें 1 जनवरी 2025 के बाद की चयनित विभिन्न क्षेत्र की 296 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें 10 वीं व 12 वीं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक, नीट व आईटीआई में चयनित विद्यार्थियों, राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिभाओं व विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम राजकीय सेवाओं में चयनित युवाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जाट बोर्डिंग संस्थान के अध्यक्ष जवाहर सिंह खटखड़ ने की व मुख्य अतिथि पीआर धायल रिटायर्ड चीफ कमिश्नर इनकम टैक्स रहे विशिष्ठ अतिथि अर्जुन सिंह भूखर पूर्व एम डी, डॉ शंकरलाल जाखड़, प्रोफेसर उम्मेद सिंह ओला निदेशक कृषि विश्विद्यालय जोबनेर, डॉ पवन डारा प्रोफेसर मेडिकल कॉलेज बीकानेर, असि. प्रोफेसर डॉ सुमन कुमारी, डॉ सुरेन्द्र भास्कर तहसीलदार, डॉ रमेश दुलड कृषि वैज्ञानिक, सुभाष चंद्र कुल्हरी तहसीलदार, बजरंग लाल जेठू पर्यावरण विद्य व असि प्रो आदित्य चौधरी दिल्ली विश्वविद्यालय मंचस्थ थे। जिन्होंने जाट समाज के युवाओं छात्र छात्राओं को शिक्षा व कृषि के माध्यम से आगे बढ़ने व समाज के युवाओं को रोज़गार के साथ संस्कारवान बनाने पर भी ज़ोर दिया द्य कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखे गए द्य जिसमें जाट समाज शिक्षा विकास संगठन के सदस्य रामेश्वर सिंह जाखड़, रणजीत सिंह कड़वासरा, रेखाराम खीचड़, रामदेव सिंह पूनियाँ, रामबचन मील, गोपाल सिंह राव, सुरेश डारा, महावीर बगड़िया, हरफूल सिंह झुरिया, सुरेन्द्र ढाका, बनवारी लाल बड़जाती आदि संगठन के सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया कार्यक्रम का संचालन विद्याधर भास्कर व सुभाष महला ने किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता श्रवण चौधरी, महावीर भोजदेसर, विजेंद्र खीचड़, संदीप नेहरा समेत सेंकड़ों की संख्या में लोग मोजूद रहें

अमर शहीद हनुमान सिंह का 54वां शहादत दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

गांव शीशियां में रविवार को अमर शहीद हनुमान सिंह का 54वां शहादत दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहीद के परिवारजनों, पूर्व सैनिकों एवं ग्रामवासियों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया व राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। शहीद के परिवार की ओर से कैप्टन रविन्द्र अजाडीवाल एवं डॉ. कपिल ने शहीद हनुमान सिंह के बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका त्याग देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने युवाओं से देशभक्ति, अनुशासन और सेवा भाव को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कैप्टन प्यारेलाल, देवकरण शिवरायण, जयदेव झाझडिया, रवि अजाडीवाल, कुलदीप अजाडीवाल, राजकुमार, सूबेदार नरेश बुरी, हवलदार ताराचंद अजाडीवाल, शंकरलाल अजाडीवाल, अजय अजाडीवाल, कैप्टन हरलाल शिवरायण, प्रधानाचार्य मदनलाल जांगिड़, विद्याधर राहड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहें।

नए साल में बना रहे घूमने का प्लान तो...

मलेशिया को करें एक्सप्लोर, वीजा पर नहीं खर्च होगा एक भी पैसा

नए साल को आने में कुछ दिनों का समय बचा है। नए साल पर कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं, तो वहीं कुछ लोग विदेश घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल पर विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बता दें कि घूमने के शौकीन लोगों के लिए एक बेहद अच्छी खबर सामने आई है।

दरअसल, भारत और चीन के नागरिकों को 1 दिसंबर से मलेशिया में वीजा फ्री एंट्री मिल रही है। ऐसे में आप बिना वीजा पर एक पैसा खर्च किए मलेशिया घूमने का प्लान बना सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने अपने एक भाषण के दौरान यह घोषणा की।

इन देशों के नागरिक कर सकेंगे वीजा फ्री यात्रा

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के अनुसार, चीनी और भारतीय नागरिक बिना वीजा के 30 दिनों तक मलेशिया की सैर कर सकते हैं। हांलाकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि वीजा फ्री एंट्री कब तक लागू रहेगी।

इन देशों में कर सकेंगे वीजा फ्री एंट्री

आपको बता दें कि इस लिस्ट में अब कई देशों का नाम शामिल हो गया है, जहां पर भारतीय नागरिक वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं। मलेशिया के अलावा भारतीय नागरिक श्रीलंका और थाईलैंड में भी वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं।

भारत और चीन, मलेशिया के चौथे और पांचवें सबसे बड़े सोर्स मार्केट की लिस्ट में शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से जून के बीच मलेशिया में 9.16 मिलियन पर्यटक आए। जिनमें से भारत के 2,83,885 पर्यटक और चीन के 4,98,540 पर्यटक शामिल रहे। वहीं कोरोना महामारी से पहले साल 2019 में भारत से 3,54,486 और चीन से 1,5 मिलियन लोग मलेशिया पहुंचे थे।

वीजा के लिए आवेदन

थाईलैंड ने अपने महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और सुस्त अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया। इस साल चीनी और भारतीय नागरिकों को भी यह छूट मिली है। हांलाकि वर्तमान समय में भारतीय और चीनी पर्यटकों को मलेशिया जाने के लिए वीजा का आवेदन करना पड़ता है।

जर्मनी के प्रचलित शहरों में से एक कोलोन

जर्मनी के प्रमुख शहरों में से एक कोलोन में जमीन पर तो अब रोम साम्राज्य के अधिक अवशेष दिखाई नहीं देते हैं परंतु जमीन के तले आज भी रोम साम्राज्य के प्रभुत्व के प्रमाण मौजूद हैं। एक सीढ़ी की मदद से नीचे उतरने पर रहस्यमयी अंधेरे से घिरे दूसरी सदी की एक कब्रगाह तक पहुंचा जा सकता है।

विभिन्न पौराणिक जीवों की आकृतियों से सजा एक विशाल ताबूत यहां दिखाई देता है।इसका ढक्कन हटाया गया है जिसके भीतर झांकने पर सारा डर दूर हो जाता है क्योंकि इसमें कोई भयावह चीज नहीं बल्कि दो कुर्सियां रखी दिखाई देती हैं। पहली नजर में ये कुर्सियां आजकल की आम कुर्सियां जैसी प्रतीत होती हैं परंतु ध्यान से देखने पर इनका महत्व महसूस होने लगता है क्योंकि इन कुर्सियों को बेहद कलात्मक ढंग से चूना पत्थर से करीब 1800 वर्ष पहले तैयार किया गया था।

इन भूमिगत हिस्सों में सब कुछ बेहद प्राचीन है। बेशक कई सौ वर्ष पूर्व कोलोन वासी रोम साम्राज्य से आजाद हो गए थे और जमीन से तो इसके अधिकतर अवशेष हटा दिए गए परंतु जमीन के नीचे आज भी कोलोनिया क्लाऊडिया अरा एग्रीप्पिनेनसियम (वह उपनिवेश जिससे यह नगर विकसित हुआ) के अवशेष बाकी हैं। गवर्नर के महल प्रायटोरियम का पता ही नहीं चलता यदि द्वितीय विश्व युद्ध में कोलोन शहर का मध्य हिस्सा तबाह न हुआ होता।

आज पर्यटक इस महल के अवशेषों की सैर कर सकते हैं जो सोमवार को छोड़ कर सप्ताह के बाकी दिन खुला रहता है।इसके ठीक साथ प्राचीन गटर है।रोमन 100 किलोमीटर दूर एफिल पहाड़ियों से ताजा पानी कोलोन तक लाए थे जबकि गंदे पानी की निकासी वे राइन नदी में करते थे। इसके लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल प्राचीन रोमन करते थे उसका पता अन्यों को 19वीं सदी में जाकर लगा था।

इस जर्मन शहर में रोम साम्राज्य के कई नए अवशेषों का भी पता चलता रहा है, विशेषकर भूमिगत रेलवे के लिए की जाने वाली खुदाई के चलते कई अवशेषों का पता चल रहा है।हालांकि शहर के भीतरी हिस्से में रहने वाले किसी भी इंसान को प्राचीन अवशेषों का पता चल सकता है।1965 में एक व्यक्ति को अपने घर के बेसमैंट की खुदाई में कुछ पत्थरों से बने हिस्से मिले थे जो एक प्राचीन स्मारक निकला।आज यह रोमन-जर्मेनिक म्यूजियम की शोभा बढ़ा रहा है।इससे पहले 1941 में भी एक बंकर की खुदाई के दौरान एक खोज हुई थी।

तब भगवान डाइओनीसोस का एक मोजायक मिला था जिसमें 15 लाख टाइल्स लगी थीं। यदि आप जानना चाहें कि प्राचीन रोम वासी किस तरह से स्पा का आनंद लिया करते थे तो आपको कोलोन से निकल कर करीब स्थित जुएलपिच कस्बे तक जाना होगा। वहां म्यूजियम ऑफ बैथ कल्चर में प्राचीन रोम के स्नानागारों के संरक्षित अवशेष सहेज कर रखे गए हैं। संग्रहालय में मॉडल्स बना कर रोम कालीन स्नानागारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है।गहरे रंग में रंगे स्नानागारों में कपड़े बदलने के लिए लॉकर रूम बने हैं।

स्वीटिंग या हॉट बैथ में स्नान करने से पहले शरीर पर तेल लगाया जाता था या मालिश करवाई जाती थी। फिर करीब 40 डिग्री तक गर्म पानी में स्नान किया जाता था। बाद में वे ठंडे पानी में नहाते थे।स्नानागारों में केश विन्यासक, चिकित्सक तथा रसोइए भी मेहमानों की सेवा में मुस्तैद रहते थे।

स्नानागारों के नीचे गुलाम लगातार आग जला कर रखते थे जिसकी ऊष्मा फर्श तथा दीवारों बने छिद्रों से होकर स्नानागार तक पहुंचती रहती थी।

जब आग के लिए लकड़ी पाने के लिए आस-पास के जंगलों के पेड़ों को काट कर खत्म कर दिया गया तो प्राचीन रोम वासी ब्लैक फॉरैस्ट से लकड़ी काट कर राइन नदी के रास्ते कोलोन तक पहुंचाने लगे थे।उस वक्त अभिजात्य वर्ग के रोम वासियों के लिए विशेष शौचालय भी बनाए गए थे जहां वे एक साथ बैठ कर निवृत्त होते हुए विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया करते थे। इतिहास पर नजर डालें तो कोलोन की खूबियों ने रोमन साम्राज्य का मन पूरी तरह मोह लिया था।

इतिहास बताता है कि हर किसी ने कोलोन को अपना बनाने की कई कोशिशें कीं।यह रोमन साम्राज्य का एक बड़ा केंद्र रहा। 2 हजार साल पहले राइन नदी के किनारे रोमन साम्राज्य का विस्तार केंद्र कोलोन ही था। रोम शासकों ने यहां अपनी व्यापारिक चैकी स्थापित की थी और नाम दिया था कोलोनिया। रोमन दौर की निशानियां कोलोन में आज भी यहां वहां बिखरी हुई हैं। राइन नदी इलाके में व्यापार का प्रमुख रास्ता रहा है और इसकी बदौलत कोलोन की समृद्धि भी रही। मध्ययुगीन दौर में रोमन शासन के बनाए 12 चर्च और किले सरीखे तीन नगर द्वार कोलोन की विशिष्टता रहे हैं।

मॉरीशसः समुद्र का निराला संसार

दुनिया के बीच डेस्टिनेशन में जिन जगहों को मुख्य रूप से गिना जाता है उनमें मॉरीशस टॉप पर है। हिंद महासागर के नीले गहरे पानी में स्थित मॉरीशस अनूठा है। रंग, संस्कृति और स्वाद में जो विविधता यहां है, वह यहां गुजारे पलों को यादगार बना देती है। इसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि लगभग पूरे साल यहां का मौसम लगभग एक सरीखा रहता है। ना बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है और न ज्यादा ठंड। दिसंबर से मार्च के महीने सबसे ज्यादा बारिश वाले होते हैं, इसलिए उनको छोड़कर बाकी पूरे साल यहां कभी भी जाया जा सकता है। मॉरीशस के सफेद रेतीले तट कोरल रीफ बैरियर से सुरक्षित हैं। यहां का लगभग समूचा तट कोरल रीफ से घिरा है, सिवाय दक्षिणी सिरे के कुछ अपवाद को छोड़कर। इसीलिए बाकी तटों पर समुद्र जहां शांत होता है, वहीं दक्षिणी हिस्से में वह बहुत अशांत है। वहां चत्रनी तट पर समुद्र की पछाड़ें देखकर आप मुग्ध हो सकते हैं।

मॉरीशस के मुख्य द्वीप के चारों ओर कई छोटे-छोटे निर्जन द्वीप भी हैं। हम भारतीयों के लिए मॉरीशस उन जगहों में से है, जहां से हमारा भावनात्मक लगाव है। हमारी संस्कृति साझी है और लोग भी। राजधानी पोर्ट लुई पश्चिमी तट पर स्थित है। उत्तर का इलाका मैदानी है और यहां देश के कई सबसे खूबसूरत बीच हैं। समुद्र तटों की रंगीनियत भी सबसे ज्यादा इसी इलाके में है। वहीं पूर्वी मॉरीशस के समुद्र तट सुकून से कुछ पल बिताने के लिए हैं। यहां के समुद्र तट की खूबसूरती खोह और लैगून में हैं। यहां ब्लू बे और बेले मेरे सबसे लोकप्रिय समुद्री इलाकों में से हैं। उधर पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी तट रोमांच प्रेमियों के लिए स्वर्ग हैं। यहां आप सर्फिंग, स्नोर्कलिंग, डीप शी फिशिंग, जैसे ज्यादातर समुद्री खेल का आनंद आप ले सकते हैं। यहां टेमेरिन बे के आसपास आप डॉल्फिन भी देख सकते हैं। दक्षिणी इलाके का रंगरूप बाकी देश से पूरी तरह अलग है। ग्रिस-ग्रिस ही मॉरीशस के समुद्री तट का अकेला ऐसा इलाका है जहां कोरल रीफ नहीं हैं। वहां किनारे ऊंची पहाड़ियां और गहरी खाइयां देखने को मिल जाएंगी। मॉरीशस का भीतरी इलाका संस्कृति के विभिन्न रंगों से रंगा है। यहां की शिवरात्रि आपको भारत की शिवरात्रि जैसी ही लगेगी।

कैसे जाएं

मॉरीशस के लिए दिल्ली व मुंबई आदि शहरों से कई एयरलाइंस की उड़ानें हैं। दिल्ली से मॉरीशस की सीधी उड़ान लगभग साढ़े सात घंटे का समय लेती है। कई उड़ानें दुबई के रास्ते भी हैं। मॉरीशस का वापसी किराया दिल्ली से 26 हजार रुपये से शुरू हो जाता है। मॉरीशस जाना बेशक महंगा है लेकिन वहां रुकने के लिए लग्जरी रिजॉर्ट के अलावा बजट होटल भी बड़ी आसानी से मिल जाएंगे।

इस एक स्थान पर होती है तीन धर्मों की यात्रा

संसार भर में भारत ही ऐसा देश है जहां विभिन्न धर्मों से जुड़े लोग एकजुट होकर रहते हैं। बहुत से ऐसे स्थान हैं जहां विभिन्न धर्मों के पवित्र स्थल एक ही स्थान पर स्थापित हैं। उन्हीं में से एक तीर्थ है राजगृह। राजगृह हिन्दू, बौद्ध और जैन तीनों धर्मों के अनुयायीयों का तीर्थ है। पुरातन काल में राजगृह मगध की राजधानी हुआ करती थी तत्पश्चात मौर्य साम्राज्य आया। महाभारत में राजगृह को तीर्थ माना गया है। राजगृह के समीप अरण्य में जरासंध की बैठक नाम की एक बारादरी अवस्थित है।

हिन्दू तीर्थ

यहां प्रवाहित होने वाली सरस्वती नदी को स्थानीय लोग प्राची सरस्वती कहते हैं। सरस्वतीकुण्ड से आधा मील की दूरी पर सरस्वती को वैतरणी कहा जाता है। इस नदी के तट पर पिण्डदान और गोदान का बहुत महत्व है इसलिए यहां प्रत्येक धर्म-समुदाय के लोग पिण्डदान करते हैं। यहां मार्कण्डेयकुण्ड, व्यासकुण्ड, गंगा-यमुनाकुण्ड, अनन्तकुण्ड, सप्तर्षिधारा और काशीधारा हैं। जिनके समीप बहुत से देवी-देवताओं के मंदिर अवस्थित हैं।

बौद्ध तीर्थ

पुरातन काल में इस स्थान पर बौद्धों के 18 विहार हुआ करते थे। राजगृह मुख्य बौद्ध तीर्थ है क्योंकि महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन काल का बहुत बड़ा हिस्सा यहां व्यतित किया था। वर्षा के चार महीने यहीं व्यतीत किया करते थे।

जैन तीर्थ

जैन तीर्थ पंच पहाड़ों पर स्थित है। इक्कीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रतनाथ का जन्म इसी पहाड़ी पर हुआ था। यही उनकी तपो भूमी थी। मुनिराज धनदत्त और महावीर के बहुत सारे गणधर इसी स्थान से मोक्ष को प्राप्त हुए थे। जैनयात्री यहां विशेष रूप से दर्शनों के लिए आते हैं।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं संजय कुमार पुत्र श्री जुगलाल, जाति कुम्हार, निवासी डुमोली कला, तहसील बुहाना, जिला झुंझुनूं (राज.) अपने पुत्र के अभिभावक के रूप में यह घोषणा करता हूं कि मेरे पुत्र का नाम सुमित है तथा उसकी सही जन्मतिथि 01.06.2013 है। विद्यालय रिकॉर्ड में जन्मतिथि 05.07.2012 त्रुटिवश गलत अंकित हो गई है, जिसे अब सही करवाया जा रहा है। इस संबंध में किसी को आपत्ति हो तो निर्धारित समय में सूचित करें।

महवा-मंडावर-राजगढ़ हाईवे को मिला 862 करोड़ का तोहफा, तीन बाईपास और फ्लाईओवर से बदलेगा पूरे इलाके का सफर

यह सिर्फ सड़क नहीं, बल्कि महवा क्षेत्र के भविष्य की मजबूत नींव है-विधायक राजेन्द्र

'महवा क्षेत्र को मिली ऐतिहासिक सौगात, यह विकास की वह गति है जिसकी जनता वर्षों से प्रतीक्षा कर रही थी-विधायक राजेन्द्र मीना

परियोजना की स्वीकृति के तुरंत बाद महवा विधायक राजेन्द्र मीना ने इसे क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा, 'यह सिर्फ एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि महवा-मंडावर-राजगढ़ क्षेत्र के भविष्य की मजबूत नींव है। इससे हमारे गांवों को सुरक्षित, चौड़ी और आधुनिक सड़क सुविधा मिलेगी। कृषि, व्यापार और शिक्षा तक पहुंच बिल्कुल आसान होगी और पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नया जीवन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिये मैं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना का प्रदेश व क्षेत्र की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने इस मार्ग को फोर-लेन बनाने की महत्ती आवश्यकता को समझा और इसे प्राथमिकता दी।' विधायक ने आगे कहा कि महवा, मंडावर और गढ़ी सवाईराम बाईपास बनने से कस्बों की भीड़, दुर्घटना की आशंका और बाजारों का दबाव कम होगा, जिससे आम जनता को प्रत्यक्ष राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना आने वाले वर्षों में रोजगार, निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के नए रास्ते खोलेगी और महवा क्षेत्र को विकास के बड़े नक्शे पर स्थापित करेगी। साथ ही केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर परियोजना की पुष्टि करते हुए बताया कि 862.22 करोड़ रुपए की इस स्वीकृति से राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग-921 का नया स्वरूप तैयार होगा, जो पूर्वी राजस्थान की कनेक्टिविटी को मजबूत बनाकर आर्थिक व सामाजिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने वाली ऐतिहासिक स्वीकृति केन्द्र सरकार ने दे दी है। राष्ट्रीय राजमार्ग-921 के महवा-मंडावर-राजगढ़ सेक्शन को पेव्ड शोल्डर सहित 4-लेन बनाने के लिए 862.22 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी होते ही पूरे क्षेत्र में विकास की नई उम्मीदें जग गई हैं। यह परियोजना महवा बाईपास के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-21 के जंक्शन से शुरू होकर कोठी नारायणपुर में राज्य राजमार्ग-25 पर समाप्त होगी, जिससे महवा, मंडावर, राजगढ़ सहित सैकड़ों गांवों की कनेक्टिविटी नई रफ्तार पकड़ेगी और यात्रा पहले से कहीं अधिक सुरक्षित व आसान होगी। इस परियोजना की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि ट्रैफिक जाम और दुर्घटना संभावित मोड़ों पर भारी दबाव कम करने के लिए एनएच-21 जंक्शन पर एक फ्लाईओवर बनेगा। इसके साथ ही महवा, मंडावर और गढ़ी सवाईराम के लिए तीन आधुनिक बाईपास कुल 11.25 किमी लंबाई में तैयार किए जाएंगे– महवा बाईपास 4.8 किमी, मंडावर बाईपास 3.99 किमी और गढ़ी सवाईराम बाईपास 2.45 किमी–जो कस्बों के भीतर से गुजरने वाले भारी वाहनों को बाहर निकालकर ग्रामीण बस्तियों और बाजारों को स्थायी राहत देंगे। सड़क सुरक्षा को मजबूती देने के लिए माचाडी मोड़ पर 1.45 किमी का री-अलाइनमेंट भी किया जाएगा, जिसके बाद यह पूरा मार्ग तकनीकी सुरक्षा मानकों के अनुरूप एक आधुनिक हाईवे में बदल जाएगा।

जमात स्थित गणपति मैरिज गार्डन से निकलेगी विशाल पैदल चुनडी यात्रा

पिछले कई सालों से महिलाएं चुनरी यात्रा में होती है शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे में घर-घर में मंगल गीतों के साथ मां शाकंभरी की चुनरी के बूटियां लगाने का कार्य जोर-शोर से चल रहा है द्य हरफूल सिंह मीणा (उदयपुरवाटी) रिटायर्ड विकास अधिकारी कलेक्ट्रेट सीकर के हाल निवास सीकर पर मां शाकंभरी माता की चुनरी में मंगल-गीत गाते हुए कॉलोनी की महिलाओं द्वारा गोटा-बुंटी लगाई गयी। शाकंभरी कुटुंब परिवार के मूलचंद सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि चुनरी यात्रा से पूर्व 2 जनवरी को जमात स्थित गणपति मैरिज गार्डन में सभी चुनरियों की सिलाई की जाएगी द्य मंगल पाठ का भी कार्यक्रम आयोजित होगा द्य 3 जनवरी को जमात स्थित गणपति मैरिज गार्डन से गाजे बाजे के साथ हजारों की तादाद में महिला एवं पुरुषों द्वारा मां शाकंभरी की पैदल विशाल चुनरी यात्रा निकाली जाएगी जो चुंगी नंबर 3, नई सब्जी मंडी, धूमचक्कर एवं बस स्टैंड होती हुई शाकंभरी सकराय धाम पहुंचेगी द्य रास्ते में जगह-जगह चुनर यात्रा का लोगों द्वारा पुष्प वर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया जाएगा द्य चुनरी यात्रा को लेकर महिलाओं में भी काफी उत्साह दिखाई दे रहा है द्य शाकंभरी माता के प्राकृतिक दिवस पर मां के दरबार का अलौकिक फूलों से श्रृंगार भी किया जाएगा द्य 3 जनवरी को चुनरी यात्रा मां शाकंभरी के दरबार में अर्पित की जाएगी द्य इस दौरान कमला देवी मीणा, संगीता देवी शर्मा, पूजा देवी कुमावत, प्रेम देवी कुमावत, प्रियंका देवी सैनी, संजू देवी सैनी, नैना कुमारी मीणा, भव्या कुमारी कुमावत आदि महिलाएं मौजूद रही ।

जरूरतमंदों को सर्दी के गर्म व अन्य कपड़े वितरित

संत श्री नारायण दास यूथ मंडल एवं एक दिन गांव के लिए अभियान अजीतगढ़ के तत्वावधान में संचालित कपड़ा बैंक(वस्त्रालय)

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

सुमेर मीणा । स्थानीय संत श्री नारायण दास यूथ मंडल (स्टेट अवॉर्डी) एवं एक दिन गांव के लिए अभियान अजीतगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में संचालित कपड़ा बैंक(वस्त्रालय) द्वारा विभिन्न सहयोगियों द्वारा प्रदान कपड़ों को रविवार को टीम ने शहर के रीको एरिया के पास, गढ़टकनेत टोल प्लाजा के पास बस्तियों में वितरित किया गया। मुहिम से जुड़े युवा पूरण प्रजापत, अक्षय कुमावत, विजय पारीक, अजय सिंह बांकावत, धनंजय सिंह बांकावत, हेमंत कुमार सेन, गौरव शर्मा, लक्की प्रजापत धोला, संजय बांकावत, यशिका प्रजापत ने बताया कि टीम को शहर के विभिन्न सहयोगियों द्वारा पुराने सर्दी के गर्म कपड़े, नए कपड़े प्रदान किए गए थे। जिनको रविवार सुबह उप तहसील भवन के पास शिविर लगाकर रीको के आसपास की बस्तियों में निवास करने वाले जरूरतमंद परिवारों को वितरित किया गया। इसके बाद नीमकाथाना रोड स्थित गढ़टकनेत टोल प्लाजा के पास की बस्तियों के लोगों को वितरित किया गया। अभियान संयोजक चैतन्य मीणा ने बताया कि सर्दी में कोई भी ज़रूरतमंद खुले आसमान के नीचे ठिठुरने को मजबूर न हो। इसके लिए अजीतगढ़ शहर व आसपास में आमजन से पुराने गर्म कपड़े स्वेटर, जैकेट, कोट, गर्म इनर वियर, कंबल, रजाई (सबसे अधिक जरूरत), मोजे, दस्ताने, टोपी उन्हें आप मुहिम के वस्त्रालय (कपड़ा बैंक) में एकत्रित कर रहे है। जिसके तहत तीन संग्रहण केंद्र अपना जनरल स्टोर, गैस एजेंसी के पास अजीतगढ़, अजीतगढ रोडवेज स्टैंड के सामने अजीतगढ़,मुकुल गृह उद्योग मेंन मार्केट अजीतगढ़ बनाए गए है। इसके अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति कपड़े देने की सूचना संपर्क नंबर पर भी दे सकते है। जिसके बाद टीम के युवा संबंधित के घर तक पहुंचकर कपड़े संग्रहित करते है। अभियान संयोजक मीणा ने बताया कि रविवार को जरूरतमंदों तक कपड़े पहुंचाए, वही नन्हें बच्चों के लिए ऊनी टोपी, ऊनी जुराब आदि दिए गए। इस दौरान अनेक लोगों ने अभियान की सराहना करते हुए युवाओं को साधुवाद दिया।

अरावली बचाओ-जीवन बचाओ के नारे से गूंजा महवा क्षेत्र

सैकड़ों कार्यकर्ताओं का पैदल मार्च BJP सरकार पर बोला सीधा हमला

वीरासना मोड़ से उकरुंद तक कांग्रेस का दमदार विरोध प्रदर्शन, पर्वतमाला से छेड़छाड़ पर बड़े आंदोलन की चेतावनी।*

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । अरावली पर्वतमाला को बचाने की मुहिम शनिवार को महवा विधानसभा क्षेत्र में तेज होती नजर आई, जब महवा एवं मंडावर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संयुक्त नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता वीरासना मोड़ से उकरुंद तक पैदल मार्च करते हुए 'अरावली बचाओ-जीवन बचाओ' के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान कर गए। लगभग एक किलोमीटर तक चले इस विरोध मार्च में कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की नीतियों पर सीधा सवाल उठाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि अरावली से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उकरुंद पहुंचकर महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ समापन हुआ, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस मनाया और एकजुटता का संदेश दिया। महवा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश पाटोली ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अब संगठित होकर पंचायत और निकाय चुनावों में पार्टी को भारी बहुमत दिलाना होगा। उन्होंने बताया कि अरावली पर्वतमाला राजस्थान की जीवनदायिनी है और यदि बीजेपी सरकार ने इसके संरक्षित क्षेत्रों से खिलवाड़ की कोशिश की तो कांग्रेस सड़क से विधानसभा तक बड़ा जनांदोलन खड़ा करेगी। उनका कहना था कि अरावली के संरक्षण के बिना पर्यावरणीय संतुलन और ग्रामीण जीवन दोनों खतरे में पड़ेंगे, इसलिए यह संघर्ष जनहित और भविष्य दोनों के लिए आवश्यक है। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बनता था। भीड़ में ब्लॉक कांग्रेस मंडावर अध्यक्ष रामहरि मीना, विक्रम सिंह गुर्जर, नरेंद्र गुप्ता, अशोक बैरवा, जगदीश भारद्वाज, प्रेमसिंह सिकंदरपुर, जगन सैनी डायरेक्टर, लक्ष्मण नाहिडा, हेमंत देशवाल, रामरतन मीना, मनी समलेटी, लाजपत तंवर, गोलू नावरिया, भजनलाल मीना, दिनेश शर्मा, इमरान खान, मोहसिन कुरैशी, तोताराम गुर्जर, हुकम नावरिया, कुलदीप हड़िया, विनोद सैनी, डॉ. गजराज, मनीष मीना, बबली सैनी, विनोद उकरुद, नेता समलेटी, मुकेश मीना, भरत सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहें।

पिलानी: कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस मनाया, विधायक काला ने एकजुटता का किया आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

नगर कांग्रेस कमेटी पिलानी के तत्वावधान में विद्या विहार नगरपालिका क्षेत्र स्थित सनशाइन होटल में कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पिलानी विधायक पितराम सिंह काला मौजूद रहें। विधायक पितराम सिंह काला ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास गौरवशाली है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस और सरदार पटेल जैसे महानायकों ने इसी दल के नेतृत्व में देश को आजादी दिलाई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आज देश में बढ़ती बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण के खिलाफ एकजुट होकर आंदोलन खड़ा करने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि के रूप में पीसीसी एससी विभाग के उपाध्यक्ष डॉ. हरि सिंह सांखला, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद काजला और जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि सत्यवीर धतरवाल उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिला अध्यक्ष राजकुमार राठी ने किया। इस अवसर पर विद्या विहार नगर अध्यक्ष सुनील शर्मा पंडित, रोहतास रणवा, प्रदीप झाझड़िया, प्रेम प्रकाश मोयल, मनोज भास्कर, अनिल जांगिड़, मनोज खन्ना, उमेद सिंह रेडू, मुकेश, महावीर और प्रवीण आलडिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

श्यामपुरा धाम में पौष बड़ा महोत्सव 31 दिसंबर को

एक शाम बालाजी के नाम में मुख्य आकर्षण होंगे निरानिया एवं मारवाड़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

श्यामपुरा पूर्वी में विद्युत ग्रेड के पास श्यामपुरा बालाजी धाम में अंग्रेजी नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर को एक शाम बालाजी के नाम शानदार कार्यक्रम होगा। पुजारी जैसराज बोराण ने बताया कि बुधवार को दिन में मंदिर को फूल बंदरवार एवं झालर आदि से श्रृंगार कर भव्य एवं आकर्षक सजाया जाएगा। उसके पश्चात शाम को 6 बजे बालाजी महाराज के भोग लगाकर पौष बाद प्रसादी का वितरण किया जाएगा। रात्रि 8 बजे एक शाम बालाजी महाराज के नाम भजन संध्या का विधिवत रूप से शुभारंभ कर बालाजी का शानदार दरबार सजाया जाएगा। जहां पर मुख्य गायक एवं कलाकार मदनलाल निराणिया रणजीत मारवाड़ी एवं आर्केस्ट्रा पार्टी बाबा श्याम की नगरी खाटू श्याम जी के द्वारा शानदार भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। गोस्वामी साउंड बाजोर ने सभी भक्तों को कार्यक्रम में पधार कर कार्यक्रम का लुफ्त उठाने के लिए आवाहन किया। कार्यक्रम की पूर्व तैयारी पर वान पर चल रही है।

मॉडल के एम स्कूल के NSS शिविर के छठे दिन खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा, । स्थानीय मॉडल के एम स्कूल टोहाना में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) शिविर के छठे दिन एक भव्य खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों के भीतर टीम भावना, अनुशासन और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के प्रिंसिपल रणधीर सिंह पूनिया ध्वजारोहण कर की। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि, 'खेल न केवल हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हैं, बल्कि जीवन में हार-जीत को समान रूप से स्वीकार करने और निरंतर प्रयास करने की सीख भी देते हैं। हूस्स के माध्यम से छात्र समाज सेवा के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व का भी सर्वांगीण विकास कर रहे हैं।'

सेवकों का विशेष योगदान

शिविर के इन स्वयंसेवकों ने पूरी प्रतियोगिता की रूपरेखा तैयार की और प्रबंधन की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। प्रतियोगिता के दौरान रस्साकशी, दौड़ (100 मीटर और 200 मीटर), और लंबी कूद जैसे खेलों का आयोजन किया गया।मैदान 'NSS ज़िंदाबाद' और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। प्रतियोगिता के अंत में को प्रिंसिपल और प्रोग्राम ऑफिसर द्वारा राष्ट्रगान और स्वयंसेवक को जलपान के साथ हुआ। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व प्रिंसिपल रणधीर पूनियां, ए0एन0 बहुगुणा, तरसेम कुमार, संदीप पूनिया, सतपाल नैन, अमन पूनिया, नीति मेहता, अनिल, धर्मवीर सिंह और विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

भगवान दास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय लक्षमनगढ की एनसीसी इकाई की विशिष्ट उपलब्धि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर 3 राज बटालियन एनसीसी इकाई के कैडेट अंडर ऑफिसर भागीरथ सिंह का 26 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड हेतु चयन हुआ है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत ने जानकारी देते हुए बताया कि इसके अतिरिक्त एनसीसी इकाई की सार्जेंट नेहा कुमावत का भी आर्मी डे परेड के लिए चयन किया गया है, जो महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।प्राचार्य ने बताया कि 78वां आर्मी डे समारोह पहली बार 15 जनवरी 2026 को जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित समारोह में महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स का चयन होना उनके उत्कृष्ट अनुशासन, सतत अभ्यास, कड़ी मेहनत एवं उच्च प्रशिक्षण स्तर को प्रदर्शित करता है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत, प्रशासनिक अधिकारी प्रमेंद्र सिंह शेखावत सचिव आशकरण शर्मा, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. नरेश कुमार वर्मा एवं समस्त महाविद्यालय परिवार ने चयनित कैडेट्स को हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

माता केशरी देवी महिला महाविद्यालय खेतड़ी में एनएसएस सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

रविवार को माता केशरी देवी महिला महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन धार्मिक स्थलों के भ्रमण के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार बैरवा ने भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व, अनुशासन और सेवा भावना का विकास करती है। सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अभियान, कौशल एवं उद्यमिता विकास, पर्यावरण संरक्षण, मतदाता जागरूकता रैली, सामाजिक कार्य तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रभावी सहभागिता निभाई। शिविर के समापन पर महाविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी स्वयंसेविकाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। अंत में एनएसएस प्रभारी श्रीमती मंजू देवी ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं स्वयंसेविकाओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर श्रीमती शोभा, किरण पारिक, मनीषा चौहान, तनू, विश्वभर, विजेन्द्र, दिनेश कुमार सहित समस्त स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

साहिबज़ादों की शहादत सत्य, धर्म और राष्ट्र की अनंत प्रेरणा: सांसद सुभाष बराला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फ़तेह सिंह सोसाइटी, टोहाना द्वारा आयोजित शहीदी दिवस के अवसर पर रविवार को श्री अखंड पाठ साहिब के भोग श्रद्धा, सत्कार और गुरबाणी की दिव्य गूँज के बीच संपन्न हुए। इस समारोह में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य रूप से शिरकत की और चारों साहिबज़ादों की अमर शहादत को कोटि-कोटि नमन किया। इस अवसर पर संगत को संबोधित करते हुए सांसद बराला ने कहा कि साहिबज़ादों का बलिदान त्याग, अदम्य साहस और धर्म की अटल निष्ठा का सर्वोच्च प्रतीक है, जो हर पीढ़ी को सत्य और राष्ट्र-धर्म के मार्ग पर दृढ़ रहने की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने गुरु परंपरा की।महानता का स्मरण करते हुए कहा कि इतिहास की प्रामाणिक समझ ही राष्ट्र सेवा की प्रथम सीढ़ी है, और गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबज़ादों की शहादत हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े रहने और धर्म-संस्कारों की रक्षा करने का मार्ग दिखाती है। सांसद श्री बराला ने कहा कि।साहिबज़ादों की शहादत युगों-युगों तक हमारे लिए प्रकाशपुंज बनी रहेगी, जो हमें सत्य, धर्म और राष्ट्र-निर्माण के मार्ग पर मार्गदर्शन देती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान सांसद ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के चरणों में माथा टेका, गुरु मर्यादा के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की तथा विश्व-कल्याण और सामाजिक एकता की अरदास में संगत के साथ सम्मिलित हुए। इसके पश्चात, उन्होंने लंगर प्रसाद की सेवा में स्वयं योगदान दिया, पंक्ति में संगत को प्रसाद परोसा और कहा कि लंगर की परंपरा मानवता, समानता और परस्पर भाईचारे का जीवंत दर्शन है, जो हमें समाज में प्रेम, सेवा और समर्पण का भाव मजबूत करने का संदेश देती है।

डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' की कृति 'शब्द यथार्थ' का भव्य विमोचन

दोहों में चेतना, शब्दों में साहस–समय, समाज और सत्ता से संवाद करती रचना

भीम प्रज्ञा न्यूज़ नारनौल।

परिवर्तनकारी साहित्य मंच के तत्वावधान में डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' द्वारा रचित दोहा-संग्रह 'शब्द यथार्थ' का भव्य विमोचन समारोह रविवार को आंबेडकर भवन, नारनौल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल एक पुस्तक विमोचन नहीं, बल्कि समकालीन साहित्य में सत्य, साहस और सामाजिक चेतना के प्रति प्रतिबद्ध रचनात्मक परंपरा का उत्सव बन गया।समारोह में मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार जोधपुर से पधारे डॉ ताराराम गौतम रहे, जबकि अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ सुमेर सिंह यादव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भीम प्रज्ञा संपादक एडवोकेट हरेश पंवार एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सहायक प्रोफेसर डॉ. अरविंद सिंह तेजावत मंचासीन रहे। साहित्य मंच के सलाहकार सुंदरलाल 'उत्सुक' और महासचिव मनोज बुलाण ने अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन किया। मंच संचालन रविंद्र सैनी ने प्रभावशाली ढंग से किया।

■'दोहा छोटा, पर घाव गहरा '–तारा राम गौतम

मुख्य अतिथि ताराराम गौतम ने कहा कि 'शब्द यथार्थ' एक विशिष्ट और जरूरी कृति है। उन्होंने डॉ. शिवताज सिंह की दोहा-साधना की सराहना करते हुए कहा कि यह संग्रह बिहारी की परंपरा की याद दिलाता है–

■'देखन में छोटे लगें, घाव करें गंभीर। '

गौतम ने कहा कि ताज के दोहे दिखने में संक्षिप्त होते हुए भी समय के यथार्थ पर तीखा प्रहार करते हैं।

■'ताज' का साहित्य-सृजन बेबाक सच कहने का साहस - डॉ सुमेर सिंह यादव

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. सुमेर सिंह यादव ने 'शब्द यथार्थ' की प्रासंगिकता पर संक्षिप्त किंतु प्रभावी विवेचन प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' का साहित्य-सृजन बेबाक सच कहने का साहस रखता है। उन्होंने कहा कि यह कृति समाज के भीतर छिपे अन्याय, भय और मौन को उजागर करती है।

■ उन्होंने दोहे– 'चिड़िया रोए नीड़ में, कैसा राज समाज। कौन सुने किससे कहें, बाज न आवे बाज। '

का संदर्भ लेते हुए बताया कि कवि यहां सत्ता, व्यवस्था और समाज की संवेदनहीनता पर तीखा व्यंग्य करता है। चिड़िया का नीड़ सामान्य जन का संसार है, जहां पीड़ा है पर सुनने वाला कोई नहीं। बाज सत्ता और प्रभुत्व का प्रतीक है, जो चेतावनी के बाद भी नहीं रुकता। डॉ. यादव के अनुसार, 'शब्द यथार्थ' ऐसे ही दोहों के माध्यम से समय के यथार्थ को सामने रखता है और पाठक को चुप्पी तोड़ने तथा सच के साथ खड़े होने के लिए प्रेरित करता है।

नारनौल के आंबेडकर भवन में डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' द्वारा रचित पुस्तक 'शब्द यथार्थ' का विमोचन करते हुए अतिथि एवं साहित्यकार।

शब्द यथार्थ पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते हुए लेखक डॉक्टर शिवताज सिंह 'ताज '

लेखक डॉ शिवताज सिंह 'ताज' अपने कुल वंश के नवजात बच्चे अविका निमहोरिया व दर्शिल निमहोरिया को काव्य कृति समर्पित करते हुए।

काव्य मंच को संबोधित करते हुए डॉ शिवताज सिंह

■ 'सत्य कहने का साहसिक दस्तावेज '-एडवोकेट हरेश पंवार

मनचस्पी विशिष्ट अतिथि भीम प्रज्ञा के प्रमुख संपादक एडवोकेट हरेश पंवार में कहा कि-'शब्द यथार्थ' केवल एक दोहा-संग्रह नहीं, बल्कि समय, समाज और सत्ता के बीच खड़े होकर सत्य कहने का साहसिक दस्तावेज है। '

'सच बोले तो सब गया, प्रीत बंधुता प्यार।
हमने सच को सच कहा, आदत से लाचार।"

साहित्यकार पंवार ने स्पष्ट किया कि यह पुस्तक पाठक को मनोरंजन नहीं, मनन के लिए आमंत्रित करती है। ऐसी कृतियां साहित्य को जीवित रखती हैं और समाज को दिशा देती हैं। उनके अनुसार, डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' की यह रचना समकालीन हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज होगी।

■ दोहों में समकालीन यथार्थ की सशक्त अभिव्यक्ति

विशिष्ट अतिथि डॉ. अरविंद सिंह तेजावत ने 'शब्द यथार्थ' को हिंदी साहित्य की दोहा विधा में लंबे अंतराल के बाद आया एक महत्वपूर्ण और समसामयिक दस्तावेज बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' ने दोहों के माध्यम से वर्तमान सामाजिक विषमताओं, शिक्षा व्यवस्था की गिरावट और राजनीतिक पाखंड पर तीखा व्यंग्य किया है।

■ पुस्तक के दोहे– 'शिक्षा अति महंगी हुई, डिग्री सब बेकार...' और 'ढोंगी नेता पढ़ा रहे, अपने पुत्र विदेश... '

समाज की वास्तविकताओं को बेबाकी से उजागर करते हैं। डॉ. तेजावत के अनुसार यह कृति केवल काव्य-संग्रह नहीं, बल्कि समाज को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करने वाली सार्थक साहित्यिक पहल है।

■ दोहा-परंपरा का पुनर्पाठ–लेखक का आत्मकथ्य

पुस्तक के लेखक और कार्यक्रम के आयोजन डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' ने अपने आत्मकथ्य में कहा कि उन्होंने दोहा-छंद की परंपरा को केवल संरक्षित नहीं किया, बल्कि नए सामाजिक संदर्भों में पुनर्परिभाषित किया है। उनका मानना है कि दोहा आकार में छोटा, पर अर्थ में गहन होता है–और आज के समय में वही दोहा सबसे प्रभावी है, जो सत्ता, स्वार्थ और चाटुकारिता के विरुद्ध नैतिक प्रतिरोध बन सके।

■ साहित्यिक संवाद और सहभागिता

समारोह में साहित्यकार राधेश्याम सिंह गोमला, प्रमुख समाजसेवी बी.सी. गोठवाल, सुनील पागल, मदनलाल डाडेइया, सेवानिवृत्त प्राचार्य अमर सिंह निमोरिहिया, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंजू रानी, प्रधान चंदन सिंह जालवान, प्रोफेसर बस्ती राम यादव, डॉ. कर्मवीर सिंह, कामरेड सुभाष चंद्र एडवोकेट, एडवोकेट रितेश, डॉ. विवेक, डॉ. इंद्राज सिंह, एसडीओ सतीश धानिया, महेंद्र सिंह खन्ना सहित अनेक कवि, लेखक, शिक्षाविद् और साहित्य-प्रेमी उपस्थित रहे। मंच के सह-सचिव सुनील कुमार, स्टेट अवार्डी अमरजीत, रामकिशन मारोड़िया, एडवोकेट गजेंद्र सिंह दौचानिया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों की सहभागिता ने आयोजन को सार्थक बनाया।

'शब्दों में यथार्थ, दोहों में चेतना–डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' की काव्य-साधना का सजीव दस्तावेज'

■ साहित्य के क्षेत्र में कुछ अवसर केवल औपचारिक नहीं होते, वे विचार और संवेदना के उत्सव बन जाते हैं। 'शब्द यथार्थ' का लोकार्पण ऐसा ही क्षण था। पुस्तक का शीर्षक और आवरण देखते ही स्पष्ट हो जाता है कि यह कृति सजावटी शब्दों की नहीं, बल्कि जीवन और समाज के कठोर यथार्थ से संवाद करती है।आज के तथाकथित 'चमचा युग' में, जहाँ विवेक और स्वाभिमान अक्सर समझौते की भेंट चढ़ जाते हैं, वहाँ डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' की रचनाएँ साहस का पाठ पढ़ाती हैं और कविता को नैतिक हथियार के रूप में स्थापित करती हैं।

अटल स्मृति वर्ष पर टोहाना के स्कूलों में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

छात्रों ने अटल जी की कविताओं का किया गायन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशताब्दी वर्ष पर अटल स्मृति वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत उपमंडल के सरकारी व निजी स्कूलों में अटल जी की जीवनी, कविता, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को अटल जी के विचारों, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से अवगत कराना रहा। प्रतियोगिता के जिला प्रभारी बलदेव सैनी ने जानकारी देते हए बताया कि भारतीय जनता द्वारा अटल जी की जयंती के शताब्दी वर्ष को अटल स्मृति वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। जिसके निमित जिला स्तर पर छात्रों के मध्य पेंटिंग, काव्य , भाषण व निबंध आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जो 29 दिसम्बर तक जारी रहेंगे। सैनी ने बताया कि सभी कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा के मार्गदर्शन में व अटल शताब्दी वर्ष कार्यक्रम जिला प्रमुख भारतभूषण मिढा की देखरेख में

आयोजित किए जा रहे हैं। श्री सैनी ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना , 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण, 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान अटल जी के सशक्त नेतृत्व में मिली विजय व अटल जी के कवि हृदय के विषय में जानकारी मिलेगी। उन्होंने बताया कि स्कूल स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वाले छात्रों की जिला स्तर पर प्रतियोगिता होगी जिसमें विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा।

इन विद्यालयों में हुई प्रतियोगिताएं

सरस्वती विद्या मंदिर, होली हार्ट कान्वेंट स्कूल, बजरंग मॉडल स्कूल, हिन्द हाई स्कूल, एसएस हाई स्कूल, डीएन मॉडल स्कूल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, लिटिल एंजल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शिवालिक पब्लिक स्कूल आदि में आयोजित हुआ।

पिलानी: कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस मनाया, विधायक काला ने एकजुटता का किया आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

नगर कांग्रेस कमेटी पिलानी के तत्वावधान में विद्या विहार नगरपालिका क्षेत्र स्थित सनशाइन होटल में कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पिलानी विधायक पितराम सिंह काला मौजूद रहे। विधायक पितराम सिंह काला ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास गौरवशाली है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस और सरदार पटेल जैसे महानायकों ने इसी दल के नेतृत्व में देश को आजादी दिलाई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आज देश में बढ़ती बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण के खिलाफ

एकजुट होकर आंदोलन खड़ा करने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि के रूप में पीसीसी एससी विभाग के उपाध्यक्ष डॉ. हरि सिंह सांखला, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद काजला और जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि सत्यवीर धतरवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिला अध्यक्ष राजकुमार राठी ने किया।

इस अवसर पर विद्या विहार नगर अध्यक्ष सुनील शर्मा पंडित, रोहतास रणवा, प्रदीप झाझड़िया, प्रेम प्रकाश मोयल, मनोज भास्कर, अनिल जांगिड़, मनोज खन्ना, उमेद सिंह रेडू, मुकेश, महावीर और प्रवीण आलडिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

नववर्ष कलेण्डर का टीडा गेला दादी मंदिर अर्पण कर किया विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री श्याम बिहारी मंदिर परिसर में स्थित टीडा गेला दादी मंदिर में तारादेवी रामेश्वरलाल बजाज चैरिटेबल ट्रस्ट क़े नववर्ष कलेण्डर 2026 को मंत्रोच्चार के साथ दादीजी के श्री चरणों में अर्पित कर विमोचन किया गया। स्थानीय प्रतिनिधि संदीप बजाज ने बताया क़ी नववर्ष कलेण्डर आमजन को वितरित किये जाएँगे !इस अवसर पर पंडित अरविंद जोशी, दादी परिवार क़े मंत्री मुकेश बजाज उपाध्यक्ष रतनलाल बजाज, कोषाध्यक्ष नरेश बजाज संयोजक संदीप बजाज सुरेश बजाज राकेश बजाज, अमित बजाज, अंकित बजाज विवेक बजाज ने मन्दिर में आशीर्वाद प्राप्त किया और नववर्ष क़े लिए मंगलकामना क़ी ।

तीन दिवसीय बीपीएल-1 बिछोर प्रीमियर लीग का उद्घाटन आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बिछोर/चित्तौड़गढ़।

पंकज बजाड़ । बेगूं तहसील के बिछोर कस्बे में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही तीन दिवसीय बीपीएल-1 (बिछोर प्रीमियर लीग) क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को सुबह आठ बजे किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन झालिमाता मंदिर के मैदान में किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार यह टूर्नामेंट क्षेत्रीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक मुकाबलों का साक्षी बनेगा। प्रतियोगिता का आयोजन स्व. बाबूलाल गुर्जर, स्व. छीतर कुमावत, स्व. अनिल लूनिया, स्व. राधेश्याम रैगर, स्व. रणजीत गवारिया, स्व. बालकिशन कुमावत एवं स्व. रजाक मंसूरी की स्मृति में किया जा रहा है। टूर्नामेंट में स्थानीय टीमें भाग लेंगी।उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता की विधिवत शुरुआत की जाएगी। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

नगर कांग्रेस कार्यालय नीमराना में मनाया गया कांग्रेस स्थापना दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । रविवार को नगर कांग्रेस कार्यालय नीमराना पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी के नेतृत्व में कांग्रेस स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कोटपूतली बहरोड जिला के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष इंद्राज गुर्जर, लोकप्रिय मुंडावर विधायक ललित यादव, बहरोड कांग्रेस प्रत्याशी संजय यादव, यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव दीनबंधु, एनएसयूआई उपाध्यक्ष मोहित यादव, राजीव गांधी पंचायती राज जिला उपाध्यक्ष मोजीराम यादव, पूर्व कर्मचारी राज प्रदेश अध्यक्ष मूलचंद गुर्जर, पूर्व सरपंच अशोक मुदगल, अशोक दोराता, बाबा शिव स्वरूप गौशाला नाघोडी अध्यक्ष वीरेंद्र गुरु, पूर्व गौशाला अध्यक्ष दलीप मुनीम, शर्मिला, दिलावर चौधरी, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद चर्खिया, नगर उपाध्यक्ष संजय यादव, मीडिया

प्रभारी प्रशांत शर्मा, संजय यादव, नगर कांग्रेस सचिव कृष्ण प्रजापत एवं अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहें। इस अवसर पर कांग्रेस की आज तक की उपलब्धियां पर चर्चा हुई और आगे भी कांग्रेस की विचारधारा को आम जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी एकजुटता और समर्थन का प्रदर्शन किया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा देश और समाज के विकास के लिए काम किया है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं और पार्टी को मजबूत बनाने में योगदान दें। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों द्वारा कांग्रेस के नारे लगाने और एक दूसरे को बधाई देने के साथ हुआ।

लक्ष्मनगढ की श्रद्धा उमड़ी शंकुतला वाटिका में, संत समागम में करीब एक दर्जन साधु संत पहुंचे कथा स्थल पर

डॉ स्वामी मुक्तानंद पुरी महाराज ने भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों की कथा के माध्यम से दी जीवंत प्रस्तुति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां शंकुतला वाटिका में लक्ष्मनगढ नागरिक परिषद के तत्वावधान में चल रही श्री शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन रविवार को कथा स्थल पर संतों का समागम हुआ। करीब एक दर्जन साधु संत ने कथा स्थल पहुंचकर व्यासपीठ को नमन किया कथावाचक डॉ स्वामी मुक्तानंद पुरी महाराज ने व्यास पीठ से कहा कि भगवान की कथा मानव को जीने का सलीका सिखाती है तथा जीवन चरित्र निर्माण की शिक्षा देती है। कथा के दौरान उन्होंने भगवान शिव के परिवार की अद्भुत महिमा का विस्तार से वर्णन किया। महाराजश्री ने शंखचूड़ वध, जलंधर वध आदि प्रसंगों की भावपूर्ण प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। कथा के दौरान कर्णप्रिय भजनों की प्रतुति भी दी गई जिन पर भक्त श्रोताओं ने नृत्य किया। उन्होंने कहा कि माता पिता की सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि माता पिता के चरणों में ही सारे तीर्थ है । रविवार को आयोजित कथा में पंचमनाथ जी महाराज बोदलासी, प्रवीण नाथ डूडवा धाम, गणेश नाथ जी महाराज मुकुन्दगढ़, विकास नाथ जी फतेहपुर, रूद्र नाथ जी महाराज भावनदेसर, महेश नाथ जी महाराज फतेहपुर, स्मृति नाथ जी महाराज लक्ष्मणगढ़, चेतन नाथ महाराज मुकुन्दगढ़, रामरूप शरण दास जी महाराज भूमा बड़ा, पुष्पेन्द्र जी शुक्लाजी, निश्चल नाथ महाराज चुवास धाम, अशोक दास जी बड़ा मन्दिर महन्त, मनमोहना नाथ जी महाराज लक्ष्मणगढ़, परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष अशोक चूड़ीवाला सचिव संदीप तोदी, सुरेंद्र शर्मा, राजेंद्र सांगानेरिया विमल जसरासरीया, सुरेन्द्र चमड़ियां , लक्ष्मनगढ अध्यक्ष विष्णु भूत, संरक्षक राजकुमार पारीक, सचिव निशांत गोयनका , प्रवीण वर्मा, विजय जालान, अनिल मुरारका, लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, संदीप बजाज, विनिता पुजारी,सोनू सोमानी, गीता जोशी, निशा तोलानी, वर्षा भूत,सुनिल बूबना, शशिकांत पुजारी, सचिन झांकल, अनिल सोमानी,अनिल मिश्रा, सुशील जाजोदिया, नटवर झांकल, रामनिवास शर्मा, एडवोकेट नटवर जोशी, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद थे।

राजपूत सभा महवा-मंडावर की नई टीम का हुआ गठन

दशरथ सिंह केसरी बने अध्यक्ष, 31 सदस्यीय कार्यकारिणी ने संभाली जिम्मेदारी।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर क्षेत्र में राजपूत समाज ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रविवार, 28 दिसंबर 2025 को रामगढ़ महवा स्थित राजपूत सभा छात्रावास में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। नव-निर्वाचित अध्यक्ष वैध दशरथ सिंह नरूका ठिकाना केसरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में समाज के लिए नई ऊर्जा और दिशा तय करने वाली 31 सदस्यीय

कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसके बाद नव नियुक्त पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाकर औपचारिक जिम्मेदारी सौंपी गई। अध्यक्ष दशरथ सिंह केसरी ने पदभार ग्रहण करते ही समाज के लिए एकजुटता, शिक्षा, न्याय और संगठनात्मक विकास को प्राथमिकता देने की बात कही और कहा कि नई टीम समाज के हर वर्ग तक सहयोग और पारदर्शिता के साथ पहुंचेगी। बैठक के दौरान 31 सदस्यीय कार्यकारिणी में प्रमुख पदों पर चयनित व्यक्तियों में मोहनसिंह बुगली, विनोद सिंह जादौन, महेन्द्र सिंह रौत और मंगू सिंह राजपुर को उपाध्यक्ष बनाया गया, जबकि विजय बहादुर सिंह रामगढ़ को महामंत्री और बलदेव सिंह पाडली को सहमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन की मजबूत संरचना के लिए सरजीत सिंह खेड़ली और कुलदीप सिंह पलानहेड़ा को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया तथा रघुवीर सिंह को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। इन पदाधिकारियों के साथ 21 अन्य सदस्यों को भी कार्यकारिणी में शामिल किया गया, जिससे समाज की नई टीम पूर्ण रूप से सक्रिय हो गई। संगठन की पारदर्शिता और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए नियमों के अनुरूप चार प्रमुख समितियों–न्याय समिति, शिक्षा समिति, छात्रावास प्रबंधन समिति और सामाजिक उत्थान एवं आयोजन समिति–का गठन भी किया गया, जिनका उद्देश्य समाज के सामूहिक हितों को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध कार्य प्रणाली स्थापित करना है। शपथ ग्रहण समारोह में जिला उपाध्यक्ष राजपूत सभा दौसा शिवसिंह चौहान ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और माला पहनाकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती है और यह टीम आने वाले समय में क्षेत्र में शिक्षा, सामाजिक उत्थान, अनुशासन और संगठनात्मक मजबूती के लिए निर्णायक भूमिका निभाएगी

कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शहर में स्थित नई सब्जी मंडी परिसर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में कांग्रेस पार्टी का 141 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक भगवाना राम सैनी उदयपुरवाटी थे। इस कार्यक्रम की कांग्रेस पार्टी के नगर अध्यक्ष शिवप्रसाद ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि विधायक भगवाना राम सैनी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल ,पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महान योगदान रहा है। विधायक भगवाना राम सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी

ने स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखी है तथा अरावली बचाओ आंदोलन में सभी को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य संजय नेहरा, पार्षद श्यामलाल सैनी, दौलत राम सैनी ,अमित अली कच्छावा ,यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव दिनेश ओलखा, पूर्व सरपंच विजयपाल भाटीवाड, एडवोकेट श्रवण कुमार सैनी ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट मोतीलाल सैनी ने किया। इस दौरान राधेश्याम रचयिता, नेता प्रतिपक्ष विश्वेश्वर लाल सैनी, मंडल अध्यक्ष फारूक अहमद ,कांग्रेस सेवादल विधानसभा अध्यक्ष अकरम मुगल , ब्लॉक अध्यक्ष ताराचंद सैनी नांगल,सुनील शेरावत कोट ,शैतान सैनी ,जगदीश बागड़ी, राहुल चेजारा ,भागीरथ सैनी, माहिर खान सहित आदि थे।

ठेठवाल गांव में 31 दिसंबर को लगेगा बाबा साबेक दास का वार्षिक मेला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

बुहाना तहसील के ठेठवाल गांव में बाबा साबेक दास का प्रतिवर्ष लगने वाला प्रसिद्ध मेला इस वर्ष 31 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। यह मेला पौष मास की द्वादशी को परंपरागत रूप से भरता है, जिसमें श्रद्धालु बड़ी आस्था के साथ भाग लेते हैं। मेले के आयोजन से पूर्व 30 दिसंबर की रात्रि को हरियाणवी कलाकारों द्वारा भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। जागरण में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। 31 दिसंबर को बाबा साबेक दास के मेले के साथ-साथ भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मेले में ठेठवाल सहित आसपास के कई गांवों से लोग भाग लेकर बाबा के दरबार में मत्था टेकेंगे और प्रसाद ग्रहण करेंगे। मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आयोजन समिति द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। ग्रामीणों में मेले को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

मंडावर पेच स्कूल के खेल मैदान पर हो रहे अवैध निर्माण को लेकर मिली शिकायत पर पुलिस ने मौके पर जाकर रुकवाया निर्माण कार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । राजकीय सीनियर उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडावर (पेच स्कूल) के खेल मैदान पर हो रहे अवैध पक्के निर्माण ने रविवार को पूरे क्षेत्र का माहौल गर्म कर दिया, जब विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामगोपाल सोनी ने मंडावर थाने में औपचारिक शिकायत देकर कराकर पुलिस से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। शिकायत में उन्होंने स्पष्ट आरोप लगाया कि विद्यालय के खेल मैदान के एक हिस्से पर प्रेमदेवी कुण्डारा का परिवार वर्षों से एक क्वार्टर में अतिक्रमणकर रह रहा है और अब बिना किसी सरकारी स्वीकृति, अनुमति या कानूनी प्रक्रिया के वहाँ पक्का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है, जो न केवल अवैध है बल्कि सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग और विद्यालय की संरचना से खिलवाड़ का सीधा मामला है। प्रधानाध्यापक ने शिकायत में यह भी उल्लेखित किया कि खेल

मैदान विद्यार्थियों की शारीरिक शिक्षा, खेल गतिविधियों और विद्यालय की दैनिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में अवैध निर्माण कार्य न केवल विद्यालय प्रशासन के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन है बल्कि सैकड़ों विद्यार्थियों के हितों, खेल सुविधाओं और शिक्षा के वातावरण को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो खेल मैदान का मूल स्वरूप बिगड़ जाएगा और भविष्य में विद्यार्थियों की गतिविधियां भी बाधित होंगी। विद्यालय प्रबंधन द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायत प्रतियां मंडावर तहसीलदार, एसडीएम महुवा, नगरपालिका कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी, सीबीईओ महवा, डीईओ दौसा, संभागीय आयुक्त जयपुर और क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र मीना को भी भेजी जायेगी, ताकि उच्च प्रशासनिक स्तर पर हस्तक्षेप सुनिश्चित हो सके और खेल मैदान को अवैध कब्ज़े से संरक्षित किया जा सके। शिकायत प्राप्त होते ही मंडावर थाना पुलिस सक्रिय हुई मौके पर पहुंची, जहां तत्काल प्रभाव से चल रहा पक्का निर्माण कार्य रुकवा दिया गया। थानाधिकारी ने बताया कि शिकायत में वर्णित तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की गई है।

टोहाना मॉडल के.एम. स्कूल टोहाना में वार्षिक उत्सव की धूम डीएसपी उमेद सिंह चहल ने की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । स्थानीय मॉडल के0 एम0 स्कूल टोहाना में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में डीएसपी उमेद सिंह चहल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में नेरष बांसल और एचएस छोकर भी मौजूद रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके बाद स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छोटे बच्चों ने जहाँ अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से सबका दिल जीत लिया, वहीं वरिष्ठ छात्रों ने देशभक्ति, सामाजिक कुरीतियों और शिक्षा के महत्व पर आधारित नाटकों के माध्यम से दर्शकों को भावुक और जागरूक किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डीएसपी उमेद सिंह चहल ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्कूल का वार्षिक उत्सव बच्चों की प्रतिभा को निखारने का एक बेहतरीन मंच है। उन्होंने छात्रों को अनुशासन का पालन करने, नशे से दूर रहने और कड़ी मेहनत से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने हरियाणा में 10वीं व 12वीं

कक्षा में टॉप10 के चंचल गिल व ज्योति बेनिवाल को स्कूटी व 18 विद्यार्थीयों को कैश प्राइज देकर व शैक्षणिक, खेलकूद और गतिविधियों में उतेंष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। एनएसएस के स्वंयसेवकों ने अपनी अनुशासन की ड्यूटी को पूरा उत्साह के साथ निभाया। स्कूल प्रबंधन ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रिंसिपल रणधीर पूनियां, ए.एन. बहुगुणा, संदीप पूनिया, सतपाल नैन, अमन पूनिया, विश्वपाल पूनिया, धर्मवीर सिंह, पुष्पा देवी, नीति मेहता, सीमा सिगँला, विजय, मनजीत, अनिल, अशोक, रमन, सिमरन, जयभगवान, सुखदीप कौर, सुनीता, ज्योती, मोहित शर्मा, सुनील, जगबीर, रामपाल, व अन्य सभी स्टॉफ सदस्य व बच्चे उपस्थित रहें।

मंदिर परिसर में हुई पौष बड़ा की प्रसादी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिराना।

कस्बे के पूर्वी ढहर चिराना में दोपहर के बाद में बाबा सुंदरदास धाम,किरोड़ी घाटी के पास,मंदिर परिसर मे बाबा सुंदरदास सेवा समिति द्वारा सामुहिक पौष बड़ा प्रसादी का आयोजन किया गया7 जिसमें भक्तों ने प्रसादी ग्रहण कर सुख-शांति की कामना की 7 इस अवसर पर तोलाराम सैनी गोविंदराम सैनी,डॉ राजेंद्र कुमावत,केशर देव सैनी,नाथू लाल सैनी, बंशीधर सैनी, सांवर मल सैनी,विनोद सैनी, बाबूलाल सैनी, देवराज सैनी, जितेंद्र सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे7गांवों से लोग भाग लेकर बाबा के दरबार में मत्था टेकेंगे और प्रसाद ग्रहण करेंगे। मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आयोजन समिति द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। ग्रामीणों में मेले को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

ग्राम ठोठवाल में रक्षिता सेवा संस्थान बलौंदा के न्यू ईयर 2026 कैलेंडर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

रविवार 28 दिसंबर 2025 को ग्राम ठोठवाल स्थित बाबा साबेक मंदिर प्रांगण (ठोठवाल जोहड़) में रक्षिता सेवा संस्थान द्वारा प्रकाशित न्यू ईयर 2026 वार्षिक कैलेंडर का विमोचन बाबा साबेक के सानिध्य में ग्रामीणों द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक दारा सिंह (विकास अधिकारी) ने बताया कि संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष समाजोपयोगी गतिविधियों के साथ-साथ ऐसे प्रकाशन किए जाते हैं, जिनसे सामाजिक जागरूकता और सेवा भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि बाबा साबेक मंदिर प्रांगण में होने वाले धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में उनका निरंतर सहयोग रहता है, जिससे क्षेत्र में सांस्कृतिक और सामाजिक एकता मजबूत होती है। कैलेंडर विमोचन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें और सभी ने नववर्ष 2026 के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, उत्साह और सामूहिक सहभागिता से परिपूर्ण रहा।

कार्यशैली में 'मन की बात' के संदेशों का समावेश जरूरी- सुभाष बराला

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने किया नागरिकों के साथ 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को गांव धारसूल कलां के बूथ नंबर 117 पर पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सामूहिक रूप से सुना। इस अवसर पर कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों के नाम दिए गए संदेशों पर विचार-विमर्श किया गया तथा उनके सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व पर चर्चा की गई। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि 'मन की बात' एक ऐसा सशक्त माध्यम बन चुका है, जो देश के प्रत्येक वर्ग को जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी द्वारा सांस्कृतिक गौरव, सामाजिक सहभागिता और नागरिक कर्तव्यों पर दिए गए संदेशों को समयानुकूल और प्रेरणादायी बताया। सांसद ने कहा कि देश की सभ्यता, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, जिससे नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रह सके। महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार के विषय पर चर्चा करते हुए सांसद बराला ने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त आधार तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं

शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही हैं, जो समाज के संतुलित और समग्र विकास के लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य जागरूकता के संदर्भ में सांसद ने प्रधानमंत्री जी के संदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव होता है। उन्होंने आमजन से स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, नियमित जांच कराने और बिना चिकित्सकीय परामर्श के दवाइयों के प्रयोग से बचने का आग्रह किया। इस दिशा में सामूहिक जागरूकता को महत्वपूर्ण बताया गया। सांसद ने कहा कि 'मन की बात' से प्राप्त संदेशों को केवल सुनना ही नहीं, बल्कि उन्हें व्यवहार और कार्यशैली में आत्मसात करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन प्रेरणादायी विचारों को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं, ताकि आत्मनिर्भर, सशक्त और समरस भारत के संकल्प को मजबूती मिल सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

अरावली बचाओ अभियानः बुहाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की विरोध रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना ।

अरावली बचाओ अभियान के तहत आज बुहाना में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महावीर प्रसाद यादव की अध्यक्षता में विरोध रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बुहाना तहसील कांग्रेस के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।? विरोध रैली रायका धर्मशाला से प्रारंभ होकर बुहाना तहसील कार्यालय के सामने तक निकाली गई। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर पर्यावरण संरक्षण और अरावली पर्वतमाला को बचाने के नारे लगाए। रैली के दौरान अरावली क्षेत्र में हो रहे कथित अतिक्रमण व खनन गतिविधियों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष मानसिंह सहारण (सरपंच), सचिव रोहिताश सिंह तंवर,पवन अग्रवाल (ब्लॉक

उपाध्यक्ष), बाबुलाल कालोडिया (मंडल अध्यक्ष), डी पी सैनी (सिंघाना नगर अध्यक्ष), सुनील सैनी, राजू गराटी, जिला महासचिव कांग्रेस, महेंद्र सिंह ग्राम सेवक, मंडल अध्यक्ष शियाराम, कृष्ण सिंह, मोतीलाल, सुमेर पुर्व सरपंच, मदन लाल नाड़ियां, मुकेश रांगेय, रॉकी, भूपसिंह , डॉ सुरेश झारोडिया, मंडल अध्यक्ष रविकांत घसेड़ा, रणजीत सिंह उर्फ सोनू ,रघुवीर सिंह, प्रेमसिंह, बाबुलाल सूबेदार, रुडाराम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।? वक्ताओं ने कहा कि अरावली पर्वतमाला राजस्थान की जीवन रेखा है और इसके संरक्षण के बिना पर्यावरण संतुलन, जलस्तर व भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता। उन्होंने सरकार से अरावली क्षेत्र को लेकर ठोस संरक्षणात्मक कदम उठाने की मांग की।

जानिए - क्यों और कैसे मनाते है 1 जनवरी को शौर्य दिवस रूप में

लेखक- मदन मोहन भास्कर

भीम प्रज्ञा विशेष रिपोर्ट।

क्या है भीमा कोरेगांव इतिहास ? कोरेगांव की लड़ाई क्यों हुई थी ?

1 जनवरी 1818 को कोरेगांव भीमा की लड़ाई में पेशवा बाजीराव द्वितीय पर अंग्रेजों ने जीत दर्ज की थी। भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस ऐतिहासिक युद्ध की याद में मनाया जाता है। इस युद्ध में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना ने मराठा साम्राज्य के पेशवा गुट की सेना को हराया था। इस युद्ध की याद में इस स्थल पर एक विजय स्तंभ बनाया गया था। ऐतिहासिक युद्ध में महार सैनिकों की वीरता और बलिदान को याद करने और सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।

500 सैनिकों ने 28000 सैनिकों को हराया

इस युद्ध में महार जाति के 500 सैनिकों ने तत्कालीन पेशवा सेना के 28,000 सैनिकों से लड़ाई लड़कर उन्हें हराकर ऐस्तिहासिक जीत दर्ज की थी। जिसमें कई महार सैनिकों ने जान दे दी थी । इस युद्ध के बाद महार जाति के लोगों ने स्वाभिमान के लिए अंग्रेज़ी सेना में भर्ती होना शुरू किया था।

भीमा कोरेगांव का परिचय

भीमा कोरेगांव पुणे जिले में स्तिथ है महाराष्ट्र का एक छोटा सा गांव है। जो भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जहां महार सैनिकों ने असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया। यह स्थान दलित आंदोलन का एक प्रमुख केंद्र है। जहां हर साल हजारों लोग शौर्य दिवस मनाने आते हैं। भीमा कोरेगांव न केवल एक ऐतिहासिक स्थल है बल्कि ये सामाजिक न्याय और समानता के लिए संघर्ष का प्रतीक भी है। इसका महत्व समय के साथ बढ़ता गया है और 2018 की घटनाओं ने इसे फिर से राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया। ये गांव भीमा नदी के किनारे बसा हुआ है, जिससे इसका नाम भीमा कोरेगांव पड़ा है।

ऐतिहासिक महत्व

भीमा कोरेगांव का ऐतिहासिक महत्व मुख्य रूप से 1 जनवरी, 1818 को हुए एक प्रसिद्ध युद्ध से जुड़ा है। भीमा कोरेगाँव युद्ध ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और पेशवा की सेना के बीच लड़ा गया था। जिसमें महार रेजिमेंट ने असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया। इस युद्ध ने न केवल भारतीय इतिहास को बदला, बल्कि यह दलित समुदाय के लिए गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक बन गया।

भीमा कोरेगांव का इतिहास

भीमा कोरेगांव का इतिहास भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास का एक जरूरी हिस्सा है। ये क्षेत्र सदियों से अलग-अलग शासकों और साम्राज्यों का गवाह रहा है, जिसने इसके सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार दिया है। भीमा कोरेगांव प्राचीन काल में सातवाहन और वाकाटक वंशों के शासन के

ख़िलाफ़ था। मध्यकाल में ये यादव वंश और बहमनी साम्राज्य का हिस्सा रहा। 17वीं शताब्दी में ये मराठा साम्राज्य का एक जरूरी हिस्सा बन गया।

ऐतिहासिक घटनाएं और प्रमुख तिथियां

1 जनवरी, 1818 भीमा कोरेगांव का प्रसिद्ध युद्ध हुआ।जिसने भारतीय इतिहास की दिशा बदल दी। सन 1851 में युद्ध स्मारक का निर्माण किया गया। जो आज भी खड़ा है। सन 1927 में डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने पहली बार भीमा कोरेगांव की यात्रा की। जो बाद में एक वार्षिक परंपरा बन गई। 1945 में डॉ. अंबेडकर ने 'वाट चाल' (यात्रा) शुरू की। जो भीमा कोरेगांव तक जाती थी।2018 में कोरेगाँव में हुई हिंसा ने इस स्थान को फिर से राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया।

शौर्य दिवस का महत्व

ऐतिहासिक महत्व - भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस भारतीय इतिहास के एक महत्वपूर्ण मोड़ को याद करता है। जहां एक छोटी सेना ने एक बड़ी सेना का सामना किया और जीत हासिल की।

सामाजिक महत्व-

शौर्य दिवस दलित समुदाय के लिए गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। ये उनके साहस और योगदान को मान्यता देता है।

राजनीतिक महत्व-

भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस ने समय के साथ राजनीतिक महत्व भी प्राप्त किया है, जो सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों को उठाता है।

समारोह और उत्सव

हर साल 1 जनवरी को हजारों लोग भीमा कोरेगांव स्मारक पर एकत्र होते हैं। अलग-अलग समुदायों और संगठनों के नेता भाषण देते हैं। जिसमें वे युद्ध के महत्व और इसके समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हैं। श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है और शहीदों को याद किया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें गीत, नृत्य और नाटक शामिल होते हैं जो इतिहास और मान समय की चुनौतियों को दर्शाते हैं।युवा पीढ़ी को इतिहास और उसके महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्थानीय समुदाय द्वारा आगंतुकों के लिए भोजन और आवास की व्यवस्था की जाती है, जो सामुदायिक एकता का प्रदर्शन करता है। भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना की याद नहीं है।बल्कि ये समानता, न्याय और सामाजिक एकता के लिए निरंतर संघर्ष का प्रतीक भी है। यह दिवस लोगों को अपने अधिकारों के लिए खड़े होने और सामाजिक बदलाव के लिए काम करने की प्रेरणा देता है। सांस्कृतिक केंद्र- भीमा कोरेगांव दलित संस्कृति और कला के विकास के लिए एक केंद्र बना रहेगा। जो नई अभिव्यक्तियों और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करेगा।

शहीद स्तंभ- स्मारक का मुख्य आकर्षण एक ऊंचा स्तंभ है। जिस पर युद्ध में शहीद हुए सभी सैनिकों के नाम अंकित किये गये हैं।

संग्रहालय- स्मारक के चारों ओर एक छोटा संग्राहालय है जो युद्ध की कहानी बताता है और उस समय के ऐतिहासिक दस्तावेजों और वस्तुओं को प्रदर्शित करता है।

शिलालेख- स्मारक पर कई शिलालेख हैं जो युद्ध के विवरण और इसके महत्व को बताते हैं।

परिसर-

स्मारक के आसपास का क्षेत्र सुंदर रूप से संरक्षित है और आगंतुकों के लिए एक शांत वातावरण प्रदान करता है।

सामाजिक न्याय का प्रतीक- भीमा कोरेगांव की विरासत समानता, न्याय और सामाजिक एकता के मूल्यों को बढ़ावा देती रहेगी। ये आने वाली पीढ़ियों को इन मूल्यों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देगी।

ऐतिहासिक ज्ञान का स्रोत- ये स्थान भारतीय इतिहास के एक जरूरी अध्याय की जानकारी देता रहेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में तीसरा मैच भी खेलेंगे कोहली!

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी में विराट कोहली और रोहित शर्मा की बैटिंग का फैंस ने खूब आनंद लिया. 24 दिसंबर को दोनों ने अपने-अपने पहले मैच में शतकीय पारी खेली थी. वहीं दूसरे मैच में विराट ने 77 रन बनाए, लेकिन रोहित गोल्डन डक का शिकार बने थे. अब सवाल है कि क्या रोहित और विराट, फिर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे क्योंकि यह टूर्नामेंट 18 जनवरी तक चलने वाला है.

विराट एक और मैच के लिए तैयार!

एक अन्य रिपोर्ट अनुसार विराट कोहली भी पहले रोहित शर्मा की तरह विजय हजारे ट्रॉफी में 2 ही मैच खेलने वाले थे. लेकिन वो अब 6 जनवरी को रेलवे के खिलाफ मैच में खेलते दिख सकते हैं. रिपोर्ट अनुसार फिलहाल विराट बेंगलुरु से चले गए हैं, लेकिन उनकी वापसी की उम्मीद बरकरार है. बताया जा रहा है कि विराट कोहली के कपड़े और सामान अभी दिल्ली टीम के साथ ही हैं. वहीं विराट कोहली 6 जनवरी को दिल्ली टीम के लिए खेलेंगे या नहीं, यह भारतीय टीम के ट्रेनिंग कैम्प पर निर्भर करेगा. क्योंकि 11 जनवरी से भारत बनाम न्यूजीलैंड 3 मैचों की ह्वष्ठढ्ढ सीरीज शुरू हो रही है. विराट अभी तक विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के दो मैचों में 208 रन बना चुके हैं.

दुनिया की नंबर-1 कप्तान बनीं हरमन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम को तीसरे टी20 में शुक्रवार को हराकर 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

श्रीलंका के खिलाफ भारतीय महिला टीम लगातार चौथी टी20 सीरीज जीती। वह सिर्फ एक बार श्रीलंका से टी20 सीरीज हारी है। ऐसा 2014 में हुआ था जब दोनों टीमों ने भारत में पहली सीरीज खेली थी।

इस जीत के साथ हरमनप्रीत कौर दुनिया की सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली महिला टी20 कप्तान बन गईं। हरमनप्रीत कौर ने लगातार तीसरे मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और भारतीय टीम ने पूरे मैच में दबदबा दिखाया। रेणुका ठाकुर की 4 विकेट और दीप्ति शर्मा की 3 विकेट के बदौलत भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम को 20 ओवर में 7 विकेट पर 112 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद शैफाली वर्मा की लगातार दूसरे तूफानी अर्धशतक की मदद से 13.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

हालांकि, भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना की फॉर्म चिंताजनक है। लगातार तीसरे मैच में वह फेल रहीं।

हरमनप्रीत कौर ने भारत की टी20 कप्तान के तौर 77 वीं जीत हासिल की। इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग से आगे निकल गईं।

हरमन ने 130 मैच में कप्तानी की है। लेनिंग ने 100 मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली थी इंग्लैंड ने हीथर नाइट की कप्तानी में 96 मैचों में 72 में जीत हासिल की। इंग्लैंड ने चार्लोट एडवर्ड्स ने 93 मैचों में 68 में जीत हासिल की।

शैफाली वर्मा पिछले दो मैच से नहीं हुईं आउट

शैफाली वर्मा पिछले दो मैच से आउट नहीं हुई हैं। पहले मैच में शैफाली ने 9 रन बनाए थे। शैफाली ने दूसरे मैच में 34 गेंद पर 11 चौके और 1 छक्के की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। तीसरे मैच में शैफाली वर्मा ने 42 गेंद पर 11 चौके और 3 छक्के की मदद से 79 रन बनाए।

स्मृति मंधाना ने बढ़ाई चिंता

भारतीय महिला टीम के लिए चिंता का विषय उप-कप्तान स्मृति मंधाना की फॉर्म है। अगले साल टी20 वर्ल्ड कप होना है। भारतीय टीम के लिए वह अहम खिलाड़ी होंगी। ऐसे में उनकी फॉर्म चिंताका विषय है। मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में 25 गेंद पर 25 रन बनाए थे। दूसरे में वह 14 और तीसरे में 1 रन बनाकर आउट हुई। मंधाना ने 2025 में टी20 में 8 मैचों की 8 पारियों में 32.62 के औसत और 128.57 के स्ट्राइक रेट से 261 रन बनाए। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वह 4 पारियों में शून्य पर आउट हुई।

प्रीमियर लीगः

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने न्यूकैसल को 1-0 से हराया

लंदन, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने शनिवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में न्यूकैसल पर 1-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग के शीर्ष 5 में अपनी जगह बना ली। मैनचेस्टर के लिए पैट्रिक डोर्गू ने शानदार गोल किया। डोर्गू ने 24वें मिनट में गोल दागा। यह गोल मैच का एकमात्र गोल साबित हुआ। कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस सहित सात खिलाड़ियों के बिना, मैनचेस्टर यूनाइटेड ने हाफटाइम में मेसन माउंट को भी खो दिया, लेकिन न्यूकैसल की टीम के खिलाफ मजबूती से टिके रहे, जिसके पास 66 प्रतिशत गेंद पर आधिपत्य रहा।

विजिटर्स तब करीब आए जब लुईस हॉल ने क्रॉसबार के नीचे मारा, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर पाए। न्यूकैसल 23 अंक के साथ 11वें स्थान पर है, जबकि मेजबान टीम के 18 गेम के बाद 29 अंक हैं। सप्ताह के बाकी मैच शनिवार और रविवार को होने हैं। डोर्गू ने यूनाइटेड के लिए अपना पहला गोल 24वें मिनट की वॉली में किया, क्योंकि डिओगो डालोट का लंबा थ्रो थोड़ा सा क्लियर हो गया था।

स्टार फुटबॉलर लेवानदॉस्की ने बार्सिलोना से विदाई के संकेत दिए?

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉबर्ट लेवानदॉस्की ने स्वीकार किया है कि उन्हें अभी नहीं पता कि वह आगे कहां खेलेंगे। सऊदी प्रो लीग और स्स्र की दिलचस्पी, बार्सिलोना की बदली हुई योजनाएं और टीम में बढ़ती प्रतिस्पर्धा उनके कैंप नू से विदा होने की संभावनाओं को मजबूत कर रही हैं। एफसी बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवानदॉस्की का भविष्य अब निर्णायक दौर में पहुंचता नजर आ रहा है। जनवरी ट्रांसफर विंडो के करीब आते ही उनके कॉन्ट्रैक्ट को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। मौजूदा सीज़न के अंत में उनका करार खत्म हो रहा है और ऐसे में यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या पोलैंड के इस दिग्गज स्ट्राइकर का सफर कैंप नू में अब समाप्ति की ओर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूरोप से बाहर के क्लब लेवानदॉस्की को साइन करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

सऊदी प्रो लीग और मेजर लीग सॉकर की टीमों ने उन्हें प्रमुख टारगेट बनाया है। बताया जा रहा है कि उनके प्रतिनिधि सऊदी अधिकारियों से नई बातचीत की तैयारी कर रहे हैं, जबकि स्स्र क्लब शिकागो फायर ने भी शुरुआती स्तर पर चर्चा की है। 37 वर्षीय लेवानदॉस्की इस समय एक ट्रांसफर खींचतान के केंद्र में हैं।

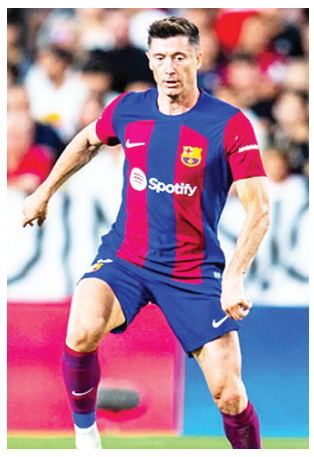

लेवानदॉस्की का साफ बयान

पोलिश पत्रकार बोगदान रयमानोव्स्की से बातचीत में लेवानदॉस्की ने अपने भविष्य को लेकर कोई ठोस फैसला लेने से इनकार किया। उन्होंने साफ कहा कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास फैसला लेने के लिए समय है। इस वक्त मुझे खुद नहीं पता कि मैं आगे कहां खेलना चाहता हूं। मुझे नहीं पता कि किस दिशा में जाना है, लेकिन मुझ पर कोई दबाव नहीं है।' उन्होंने इस सीजन के अपने लक्ष्य भी स्पष्ट किए और कहा, 'इस सीजन मैं सब कुछ चाहता हूं। वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करना, लीग जीतना और चैंपियंस लीग जीतना चाहता हूं।'

बार्सिलोना की योजनाएं बन सकती हैं बाधा

बार्सिलोना के भीतर की रणनीति लेवानदॉस्की के लिए मुश्किलें बढ़ा सकती है। इस सीज़न उन्होंने 18 मैचों में आठ गोल किए हैं, जबकि क्लब के लिए कुल मिलाकर 165 मैचों में 109 गोल उनके नाम हैं।

बावजूद इसके, कोच हांसी फ्लिक के अंडर फेरान टोरेस का उभार टीम के अटैकिंग संतुलन को बदल रहा है।

सूरज शर्मा ने जीते सीनियर और जूनियर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल राष्ट्रीय खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने शुक्रवार को 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष वर्ग में सीनियर और जूनियर दोनों राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस प्रतियोगिता में सूरज ने पहले जूनियर फाइनल में 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता और बाद में सीनियर फाइनल में भी दबदबे के साथ खेलते हुए 31 हिट्स के साथ दूसरा खिताब हासिल किया। सीनियर फाइनल में सूरज ने दमदार शुरुआत करते हुए अपने पहले 20 में से 19 निशाने साधे और कुल 31 हिट्स के साथ मुकाबला समाप्त किया।

वह पंजाब के डिफेंडिंग चैंपियन विजयवीर सिद्धू से तीन हिट्स आगे रहे, जिन्हें 28 हिट्स के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। अंकुर गोयल 14 हिट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्हें आंध्र प्रदेश के मुकेश नेलावल्ली के खिलाफ लगातार तीन शूट-ऑफ खेलने पड़े, जिसके बाद मुकेश 12 हिट्स के साथ पांचवें स्थान पर रहे। हरियाणा के आदर्श सिंह ने पांच हिट्स के साथ छठा स्थान हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में अंकुर गोयल ने 582-203 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। विजयवीर सिद्धू 580-183 के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि आदर्श सिंह ने 579-223 के साथ तीसरा स्थान पाया। मुकेश नेलावल्ली 579-173 के साथ चौथे स्थान पर रहे। बाद में स्वर्ण पदक जीतने वाले सूरज शर्मा ने 579-123 के साथ पांचवें स्थान पर क्वालिफाई किया था, जबकि भावेश शेखावत ने 577-223 के साथ शीर्ष छह में जगह बनाई। जूनियर पुरुष आरएफपी फाइनल में भी सूरज शर्मा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुकेश नेलावल्ली ने 25 हिट्स के साथ रजत पदक हासिल किया।

हरियाणा के जतिन ने शूट-ऑफ के बाद 22 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। समीर 17 हिट्स के साथ चौथे, भाव्या शर्मा आठ हिट्स के साथ पांचवें और अभिनव चौधरी छह हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहे। सीनियर टीम स्पर्धा में पंजाब ने 1725 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। टीम में विजयवीर सिद्धू, उधयवीर सिद्धू और राजकंवर सिंह संधू शामिल थे।

एसए टी-20 2025-26:

टी20 मैच में बने 400 से ज्यादा रन, रयान रिकल्टन ने ठोका तूफानी शतक, फिर भी टीम को मिली...

नई दिल्ली, एजेंसी। केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर एसए टी-20 लीग के चौथे सीजन की शानदार शुरुआत हुई. पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन एमआई केप टाउन का सामना डरबन सुपर जायंट्स की टीम से हुआ, जहां डरबन की टीम ने एक रोमांचक जीत अपने नाम की. इस मैच में फैंस को खूब चौके-छक्के देखने को मिल और दोनों टीमों ने मिलकर मुकाबले में 449 रन बने, जो एसए टी-20 के किसी भी मैच में बनाए गए रनों का दूसरा सबसे बड़ा रिकॉर्ड है. इस दौरान सीजन का पहला शतक एमआई केप टाउन के ओपनर रायन रिकल्टन के बल्ले से देखने को मिला, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके.

डरबन सुपर जायंट्स ने बोर्ड पर लगाया बड़ा स्कोर

डरबन सुपर जायंट्स ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 232 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया. डरबन की पारी की नींव डेवन कॉनवे और केन विलियमसन की 96 रनों की सलामी साझेदारी ने रखी. कॉनवे ने 64 रन बनाए और विलियमसन ने 40 रन रनों का योगदान दिया. इसके बाद ऐडन मार्करम ने 35 रनों की तेज तर्रार पारी खेली, जिससे टीम का स्कोर तेजी से बढ़ा. हेनरिक क्लासेन, इवान जोन्स और डेविड वीसे ने भी छोटी लेकिन विस्फोटक पारियां खेलीं. दूसरी ओर एमआई केप टाउन की ओर से जॉर्ज लिंडे ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए.

रिकल्टन के शतक पर फिरा पानी

जवाब में डिफेंडिंग चैंपियन एमआई केप टाउन की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जल्दी विकेट गिरने से दबाव बढ़ा. रीजा हेंड्रिक्स 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रासी वैन डर डुसेन सिर्फ 2 रन ही बना सके. वहीं, निकोलस पूरन भी 15 रन पर पवेलियन लौट गए. लेकिन रायन रिकल्टन ने एक छोर संभाले रखा. उन्होंने सिर्फ 63 गेंदों में 113 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 11 छक्के शामिल रहे. यह एसए टी-20में किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के हैं. रिकल्टन ने जेसन स्मिथ के साथ 76 रनों की अहम साझेदारी भी की, जिसमें स्मिथ ने 14 गेंदों पर 41 रन ठोके. हालांकि, आखिरी ओवरों में दबाव बढ़ा. आखिरी दो ओवरों में सिर्फ 15 रन बने और तीन विकेट गिरे. जिसके चलते एमआई केप टाउन की टीम 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 217 रन ही बना सकी और 15 रनों से हार गई. डरबन के युवा गेंदबाज इथन बॉश ने 4 विकेट लेकर मैच का रुख मोड़ा और क्वेना मफाका ने भी आखिरी ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी की. जिसके चलते पिछले सीजन में पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे रहने वाली डरबन सुपर जायंट्स टीम ने इस बार जीत के साथ आगाज किया.

सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिपः

सूर्या करिश्मा और श्रुति मुंडाडा ने किया उलटफेर, सेमीफाइनल में जगह बनाई

विजयवाड़ा, एजेंसी। सूर्या करिश्मा तामिरी और श्रुति मुंडाडा ने शुक्रवार को सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में बड़ा उलटफेर किया। इन दोनों खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सूर्या करिश्मा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा को सीधे गेम में मात दी, जबकि श्रुति मुंडाडा ने दूसरी वरीयता प्राप्त अनुपमा उपाध्याय को बाहर का रास्ता दिखाया।

सूर्या करिश्मा ने 36 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में टॉप सीड उन्नति हुड्डा को 21-12, 21-15 से मात दी, जबकि श्रुति मुंडाडा ने दूसरी सीड और पूर्व नेशनल चैंपियन अनुपमा उपाध्याय को 22-20, 21-12 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला। अब सेमीफाइनल में सूर्या करिश्मा का मुकाबला रक्षिता श्री से होगा, जिन्होंने वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा को 16-21, 21-14, 21-18 से शिकस्त दी है। पुरुष सिंगल्स कैटेगरी में, टॉप सीड किरण जॉर्ज ने 41 मिनट तक चले मुकाबले में 11वीं सीड रौनक चौहान को 21-18, 21-18 से मात दी। अब उनका मुकाबला 2024 ओडिशा ओपन चैंपियन ऋत्विक संजीव एस से होगा, जिन्होंने दूसरे क्वार्टर फाइनल में सतीश कुमार को 21-13, 22-20 से हराया है। दूसरे सेमीफाइनल में, एम. तरुण का मुकाबला भरत राघव से होगा। क्वार्टर फाइनल में, तरुण ने मनराज सिंह को 21-13, 22-20 से हराया, जबकि भरत ने जिनपॉल सोन्ना को 21-17, 21-13 से मात दी। महिला डबल्स में टॉप सीड ऋतुपर्णा-श्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल स्टेज में रिदुवर्षिनी रामासामी-सानिया सिकंदर की जोड़ी से 16-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गई।

इससे पहले, गुरुवार को तन्वी शर्मा, रौनक चौहान और तन्वी पात्री ने सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने-अपने विरोधियों पर शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा ने 10वीं सीड देविका सिहाग को 21-11, 10-21, 21-10 से हराया था, जबकि पैट्री ने महिला सिंगल्स प्री-क्वार्टर फाइनल में पारुल चौधरी को 21-14, 21-17 से मात दी।

मेलबर्न टेस्टः इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट मैच जीतने का इंग्लैंड का लंबा इंतजार समाप्त हो गया है। मेलबर्न में खेले गए एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे ही दिन 4 विकेट से हरा दिया। जीत इंग्लैंड के आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के लिए बेहद अहम है। इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रन का लक्ष्य मिला था। जीत के लिए मिले 175 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इंग्लैंड को जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 51 रन की मजबूत शुरुआत दी। डकेट 26 गेंद पर 34 रन बनाकर आउट हुए। क्रॉली ने 37 रन बनाए।

दोनों ओपनरों के अलावा जैकब बेथेल ने 40 रन की पारी खेलकर सीरीज में टीम की पहली जीत को संभव बनाया। हैरी ब्रूक 18 और जेमी स्मिथ 3 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 6 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाकर मैच जीता। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 4 रन से की थी। पहले विकेट के रूप में स्कॉट बोलैंड 22 के स्कोर पर आउट हुए। बोलैंड 6 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरे और पूरी टीम 132 रन पर सिमट गई। ट्रेविस हेड ने 46, स्टीव स्मिथ ने 24 और कैमरुन ग्रीन ने 19 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए ब्रायडन कार्स ने 4, कप्तान बेन स्टोक्स ने 3, जोश टंग ने 2 और गस एटकिंसन ने 1 विकेट लिए। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 110 रन बनाए थे। हैरी ब्रूक ने 41, गस एटकिंसन ने 28 और कप्तान बेन स्टोक्स ने 16 रन बनाए थे। पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया से 42 रन से पिछड़ गई थी। ऑस्ट्रेलिया के लिए माइकल नेसर ने 4, स्कॉट बोलैंड ने 3, मिचेल स्टार्क ने 2, और कैमरन ग्रीन ने 1 विकेट लिए थे। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 152 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए जोश टंग ने 5, गस एटकिंसन ने 2, और ब्रायडन कार्स और बेन स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिए थे। मेलबर्न टेस्ट का नतीजा 142 ओवर में आ गया। इस दौरान 36 विकेट गिरे। 2011 जनवरी के बाद इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में पहली टेस्ट जीत मिली है।

2011 के बाद मिली पहली जीत

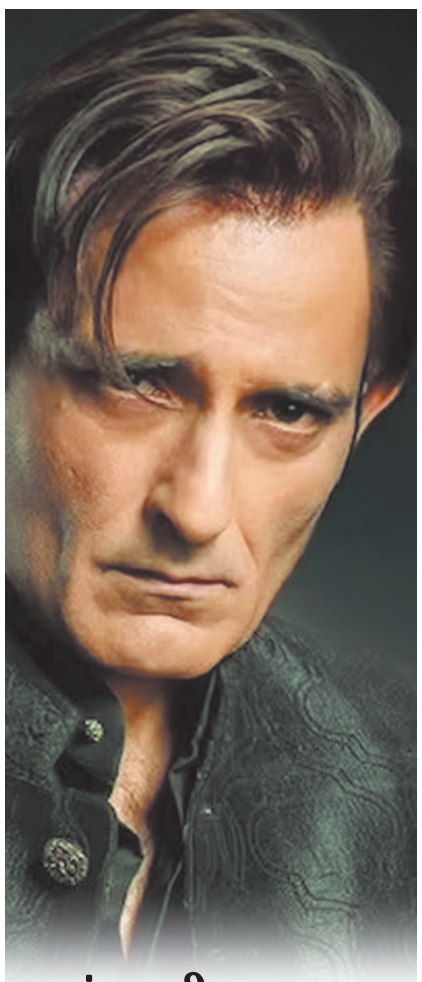

धुरंधर की सफलता के बीच अक्षय खन्ना ने छोड़ी दृश्यम 3

बॉलीवुड के मंझे हुए अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों धुरंधर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में रिलीज हुई स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई कर न सिर्फ निर्माताओं को मालामाल किया, बल्कि अक्षय खन्ना को भी एक बार फिर इंडस्ट्री के सबसे दमदार कलाकारों की कतार में खड़ा कर दिया। रणवीर सिंह जैसे सुपरस्टार्स के बीच भी अक्षय का किरदार चर्चा का केंद्र बना हुआ है। फिल्म में उनके एंट्री सीन से लेकर उनके अंदाज और स्क्रीन प्रेजेंस तक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है।

दरअसल एक्स पर बॉलीवुड मशीन नाम के पेज ने दावा किया है कि अक्षय ने दृश्यम 3 छोड़ दी है जिसकी वजह है उनको मिलने वाला पैसा और अपने किरदार को लेकर मतभेद। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के बाद अक्षय खन्ना ने अपनी फीस में बढ़ोतरी की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने अपने किरदार के लुक को लेकर भी कुछ अहम बदलाव चाहें। माना जा रहा है कि इन्हीं मांगों को लेकर निर्माता पक्ष के साथ बातचीत अटक गई और बात यहां तक पहुंच गई कि एक्टर ने फिल्म से दूरी बना ली।

इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने अक्षय खन्ना के फैसले को सही ठहराया। उनका कहना है कि जिस अभिनेता ने हालिया ब्लॉकबस्टर में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई हो, उसकी वैल्यू बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं कुछ फैंस इस खबर से मायूस भी नजर आए, क्योंकि वे 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में अक्षय खन्ना को एक बार फिर देखना चाहते थे। कई यूजर्स ने यह भी लिखा कि अक्षय जैसे कलाकार को और ज्यादा मजबूत और चुनौतीपूर्ण किरदार मिलने चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि सूत्रों के अनुसार, बातचीत अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मेकर्स और अक्षय खन्ना के बीच चर्चा जारी बताई जा रही है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि अभिनेता वाकई 'दृश्यम 3' से बाहर हो चुके हैं या आने वाले दिनों में कोई बीच का रास्ता निकल आएगा।

प्रतीक बब्बर के साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार रहा

पॉपुलर वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज के चौथे और अंतिम सीजन में एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी ने अपने पति प्रतीक बब्बर के साथ स्पेशल कैमियो किया है। यह शादी के बाद कपल का पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है। प्रिया ने बात करते हुए इस अनुभव को मजेदार बताया। प्रिया ने कहा, प्रतीक के साथ जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने के बाद स्क्रीन शेयर करना काफी खास लगा। शादी की तस्वीरें वायरल होने के बाद मेकर्स ने इस छोटे कैमियो के लिए उनसे संपर्क किया था। प्रिया ने बताया, प्रतीक चाहता था कि मैं यह प्रोजेक्ट करूं, क्योंकि यह उनके सबसे पसंदीदा शो में से एक है। यह फैसला भी मैंने अचानक से लिया। मैंने सच में यह सिर्फ मजे और उनके साथ उस पल को स्क्रीन पर शेयर करने की खुशी के लिए किया। फोर मोर शॉट्स प्लीज का चौथा सीजन हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है, जो सीरीज का फाइनल सीजन है। इसमें मुख्य किरदारों के साथ प्रतीक अहम भूमिका में हैं, जबकि प्रिया का कैमियो दर्शकों के लिए सरप्राइज है। यह सीरीज चार महिलाओं की जिंदगी, दोस्ती, प्यार और चुनौतियों पर आधारित है।

प्रिया इससे पहले भी प्रतीक के साथ काम कर चुकी हैं। इसी साल अक्टूबर में प्रतीक और प्रिया ने एक फैशन इवेंट में शानदार सफेद आउटफिट्स में साथ रैंप वॉक किया था। जब उनसे पूछा गया कि पत्नी के साथ या किसी दूसरी एक्ट्रेस के साथ रैंप वॉक ज्यादा मजेदार लगता है, तो प्रतीक ने बताया था कि प्रिया के साथ रैंप पर चलना उन्हें आत्मविश्वास के साथ खुशी भी देता है, जो किसी और के साथ नहीं मिलती। प्रिया और प्रतीक ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में घर पर शादी की थी। कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कर प्रशंसकों को जानकारी दी थी।

सलमान खान के साथ काम करने पर बोलीं चित्रांगदा सिंह

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स सोशल मीडिया पर छा चुकी है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह की एक्टिंग को बहुत सराहा जा रहा है। अब अभिनेत्री ने फिल्म में अपने किरदार और सलमान खान के साथ आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर भी जानकारी शेयर की है। अपने किरदार और फिल्म पर बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने कहा कि फिल्म में उनके किरदार में दुख है, टेंशन है, सस्पेंस है, और पावर भी है। एक ही समय पर एक किरदार अलग-अलग इमोशंस से जूझ रहा है,

और मेरे लिए एक एक्ट्रेस होने के नाते, मुझे इस किरदार के जरिए अपनी कला को दिखाने का मौका मिला है। अपनी फिल्म को मिल रही तारीफ को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि ये दर्शकों का प्यार और हमारी टीम की मेहनत है, जहां दर्शकों ने हर किरदार को प्यार दिया है। मैं सबसे ज्यादा श्रेय राइटर्स को दूंगी, क्योंकि उन्होंने एक-एक लाइन को ऐसा लिखा है कि कुछ बदलाव करने की जरूरत ही नहीं थी और फिल्म थ्रिलर थी, तो किरदार के साथ एक्सपेरिमेंट भी नहीं कर सकते हैं। राइटर्स ने एक-एक डायलॉग को बहुत अच्छे से लिखा है, जिसने कहानी को अच्छे से आगे बढ़ाया है। हाउसफुल 5 और रात अकेली है की शूटिंग करते वक्त अपने इमोशंस और किरदार पर पकड़ बनाने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि ये हो जाता है, क्योंकि सेट पर जो वाइब होती है, वह आपको किरदार में ढलने में मदद करती है और इससे परफॉर्मेंस पर भी फर्क पड़ता है। मुझे बहुत मजा आ रहा था कि एक साथ दो अलग-अलग किरदार निभाने का मौका मिला। सलमान खान के साथ फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में काम करने के अनुभव पर अभिनेत्री ने कहा, गलवान फिल्म सिर्फ फिल्म नहीं है, ये एक इमोशन है क्योंकि फिल्म में मसाला देखने को नहीं मिलेगा। फिल्म में कई ऐसे सीन्स हैं जो आपको इमोशनल कर देंगे। ये एक कमर्शियल फिल्म है और उम्मीद है कि इससे मेरा करियर और बेहतर होगा। उन्होंने ये भी बताया कि वे गलवान के साथ-साथ एक स्पोर्ट्स बायोपिक को भी प्रोड्यूस कर रही हैं, लेकिन फिल्म के नाम का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

फिल्म बॉर्डर 2 के लिए अहान शेट्टी ने जमकर बहाया पसीना

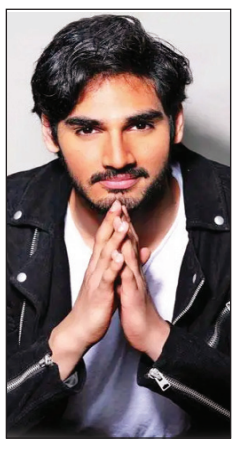

फिल्म बॉर्डर 2 का टीजर रिलीज हो चुका है और इसके रिलीज के बाद से ही अहान शेट्टी चर्चा के केंद्र में हैं। फिल्म के टीजर से यह साफ है कि यह फिल्म सिर्फ एक सीक्वल नहीं, बल्कि एक नए दौर के एक्शन हीरो की दस्तक है। इसमें अहान शेट्टी की मौजूदगी पहली ही झलक में असर डालती है। फिल्म के टीजर में उनकी लंबी कद-काठी, भारी आवाज और स्क्रीन पर ठहराव से वो दर्शकों को प्रभावित करते हुए नजर आ रहे हैं, हालांकि ये सिर्फ लुक्स का नतीजा नहीं है। बॉर्डर 2 के लिए अहान ने महीनों तक सख्त अनुशासन में खुद को ढाला। उन्होंने फंक्शनल स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, खेलों के जरिए स्टैमिना बढ़ाया और आधुनिक रिकवरी तकनीकों को अपनाया। फिल्म में सैनिक का किरदार निभाने के लिए अहान ने कड़ी ट्रेनिंग का सहारा लिया है। फिल्म में अपने किरदार पर बात करते हुए अहान ने कहा, सेना की वर्दी पहनना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। उनके लिए 'बॉर्डर 2' किसी करियर माइलस्टोन से ज्यादा, उन असली सैनिकों को सलाम है जो देश के लिए यह वर्दी पहनते हैं। अहान की फिल्म के टीजर में दमदार स्क्रीन प्रेजेंस ने न सिर्फ दर्शकों का ध्यान खींचा है, बल्कि यह साफ कर दिया है कि बॉलीवुड की एक्शन थ्रिलर के नए सुपरस्टार अब आ चुके हैं।

धुरंधर में अपने भयानक किरदार को लेकर क्या सोचते हैं अर्जुन

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। रणवीर सिंह की अदाकारी वाली इस फिल्म में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन जैसे दमदार कलाकार नजर आ रहे हैं। अपनी मजबूत कहानी, जबरदस्त अभिनय और बेहतरीन म्यूजिक की वजह से इसे पूरे देश में दर्शकों का प्यार मिल रहा है।

धुरंधर में अर्जुन रामपाल की भूमिका

फिल्म में अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है, जो एक निर्दयी आईएसआई मास्टरमाइंड है। उनके इस रोल को लेकर काफी तारीफ हो रही है। ग्रेजिया इंडिया से बातचीत में अर्जुन रामपाल ने बताया कि इस तरह का किरदार निभाना उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल था। वह शूटिंग खत्म होते ही इस रोल से बाहर आना चाहते थे।

किरदार से बाहर आना चाहते थे अर्जुन रामपाल

अर्जुन रामपाल ने कहा मैं इस किरदार से जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलना चाहता था। यह फिल्म करना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि यह एक अहम कहानी पर बनी है। किसी घटना को बाहर से देखना अलग बात है, लेकिन पर्दे के पीछे क्या हुआ, उसे दिखाना ज्यादा रोमांचक होता है। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत बुरा लगता था क्योंकि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूं, लेकिन यही एक अभिनेता का काम होता है और उसे उस किरदार में पूरी तरह उतरना पड़ता है।

गिफ्ट के नाम पर मुझे तलाक का नोटिस मिला

बीते दिनों जब सेलिना जेटली भारत लौटीं, तो उन्होंने कहा, मैंने खुद को, अपने सम्मान और स्वाभिमान को बचाया था। साल 2010 में उनकी शादी हुई थी और उसके बाद से ही वह ऑस्ट्रिया में रह रही थीं, अब निजी जिंदगी के बुरे अनुभव के बाद वह मुंबई लौटी हैं। उन्होंने अपने पति पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस दर्ज करवाया है। इसके अलावा वह 2024 से ही काफी परेशानियों का सामना कर रही हैं।

आप सोशल मीडिया पर अपने बच्चों विंस्टन, विराज, आर्थर के साथ मजेदार विडियो शेयर करती थीं। हालांकि अब लगता है कि कहानी उतनी अच्छी नहीं है। आपने हाल ही में माना था कि सालों से आपकी शादीशुदा जिंदगी में दरार थी। आप कितने समय से इस नाखुश शादी में जी रही हैं?

सोशल मीडिया पर जो नजर आता है वो असल जिंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा होता है। दुनिया को पता चलने से पहले ही मैं कई सालों से इस खराब शादी से जूझ रही थी। बाकी महिलाओं की तरह ही मैंने भी अपने बच्चों की वजह से चीजों को सामान्य बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन निजी तौर पर मैं बहुत मुश्किल चीजों का सामना कर रही थी।

क्या आपको इस बात का पछतावा होता है कि आप इतने साल तक इस बुरे रिश्ते में क्यों थीं, और क्या आपको लगता है कि आपको पहले ही भारत वापस आ जाना चाहिए था?

मुझे अपने परिवार को एक साथ रखने की किसी भी कोशिश का कोई पछतावा नहीं है। अपने माता-पिता को खोने के बाद, दूर जाने या खुद के लिए खड़े होना, जैसी चीजों के लिए भी मैं असुरक्षित महसूस करने लगी थी। मैं पहले ही अपने भावनात्मक रूप से सहारा देने वाले अपने करीबी लोगों को खो चुकी थी, और मुझे सब कुछ खोने का डर रहता था, खासतौर पर अपनी फाइनेंशियल आजादी और अपने बच्चे। मुझे अपने बच्चों को अपना एक घर देना था, जिस कल्चर में वह पले-बढ़े थे, उसका सम्मान बरकरार रखना था। इसके साथ ही मुझे ये जिम्मेदारी भी महसूस हुई कि उन्हें अचानक से ऐसे माहौल से दूर ना किया जाए जहां वह घर जैसा फील करते थे, जिनमें उनका स्कूल, रूटीन और उनकी पूरी दुनिया बसी हुई थी। मुझे खुद को सुरक्षित करने के बारे में तभी सोच सकती थी, जब मैं खुद को इन सब चीजों से सिक्योर कर पाती।

आपके भाई मेजर (सेवानिवृत्त) विक्रांत कुमार जेटली, सितंबर से अबू धाबी में हिरासत में हैं। क्या उन्हें वहां से निकालने की इस लड़ाई में आप अकेली रही हैं? इस मामले में क्या कुछ चल रहा है? आपने आखिरी बार उनसे कब बात की थी?

मैं पूरी तरह से अकेली नहीं हूं, लेकिन मैं कानूनी और कूटनीतिक रास्ते को लेकर लगातार हर संभव कोशिश कर रही हूं। मामला काफी सेंसटिव है, और अभी भी चल ही रहा है और इस बारे में जानकारी को लेकर भी मुझे सतर्क रहना होगा। मेरे भाई के साथ मुझे संपर्क करने की पूरी आजादी न होना, मेरे लिए सबसे तकलीफ देने वाले पहलुओं में से एक है।

क्या आप भारत में एक नई जिंदगी की शुरुआत करने के लिए आई हैं?

मेरा भारत आना कोई विकल्प नहीं था, बल्कि मेरे लिए जरूरी था। मैं खुद को, अपने सम्मान और स्वाभिमान को बचाना चाहती थी। गिफ्ट के नाम पर मुझे तलाक का नोटिस मिलने के बाद, मुझे ये जानकर गहरा सदमा लगा कि शादी होने के बाद भी मेरी आजादी को छीने जाने की और कोशिशें की जा रहीं थीं। अपने होम ग्राउंड पर वापसी से मुझे मजबूती से खड़े होने, सिर ऊंचा करके लड़ाई लड़ने और अपनी आवाज को वापस पाने का मौका मिला है।

क्या आप एक्टिंग में कमबैक का प्लान बना रही हैं?

मेरा काम सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं है, यह एक्सप्रेशन का एक तरीका है। मेरा काम ही है जो मुझ इमोशनली, फाइनेंशियली, साइकोलॉजिकली और दूसरे कई तरीकों से बचा रहा है। इसके लिए मैं शुक्रगुजार हूं। यह मेरे काम और मकसद को जिंदा रखता है।

आप पिछले कुछ साल से मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। इन अनुभवों ने कैसे आपके अंदर छुपी ताकत और खुद की कीमत पहचानने जैसी चीजों के लिए समझ को कैसे बदला है?

पिछले कुछ साल ने मुझसे वो सब छीन लिया जो बाहर से दिखता था। मुझे यह देखने के लिए मजबूर किया कि मैं असल में कौन हूं। मैंने सीखा है कि अंदर की ताकत शांत और बनी रहती है, वो दिखावा नहीं करती। आज मेरी अपनी खुद की वैल्यू ये है कि मैं अपने लिए, अपने बच्चों और परिवार की वैल्यूज के लिए तब भी खड़ी रहूं, जब बहुत वहां खड़ा होना मुश्किल और डरावना हो।

संक्षिप्त समाचार

यूपी के 68 जिलों में घना कोहरा चंडीगढ़ में विजिबिलिटी जीरो

नई दिल्ली/भोपाल/देहरादून/लखनऊ। उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में झरने जम गए। यूपी के आगरा में ताजमहल कोहरे से पूरी तरह ढक गया। हिमालय में लगातार हो रही बर्फबारी से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। यूपी के 68 जिलों में घना कोहरा छाया है। इसके चलते 10 मीटर तक देखना भी मुश्किल हो रहा है। वहीं, मध्य प्रदेश के 31 शहरों पारा 5 से 8 के बीच रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने शनिवार को यूपी के 68 जिलों शीतलहर अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कोहरा इतना घना होगा कि विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक श्रीनगर में शुक्रवार रात को न्यूनतम तापमान माइनस 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज और सोनमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, बिहार के कई शहरों में तापमान 10* से नीचे दर्ज किया गया। कोहरे के कारण ट्रेनें लेट चल रही हैं। कई एयरलाइन्स ने फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। बिहार में 30 दिसंबर तक कक्षा 8 तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। हिमालयी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड के 6 जिलों में भी यलो अलर्ट जारी किया गया है। 30-31 दिसंबर को उत्तरकाशी और चमोली में बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश में 30 दिसंबर के बाद बर्फबारी हो सकती है। न्यू ईयर से पहले वहां वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने के चलते चेतावनी जारी की गई है। वहीं ऊना में 31 जनवरी तक स्कूलों का समय सुबह 10 बजे से कर दिया गया है।

पंजाब में महिला सिख प्रचारकों के विरोध पर बवाल

जालंधर। पंजाब में महिला सिख धर्म प्रचारक बीबी दलेर कौर के समागम के विरोध का मुद्दा गर्माता जा रहा है। एक तरफ फतेहगढ़ में हुई शहीदी सभा में भी बीबी दलेर कौर का मुद्दा उठा। निहंग जत्थेबंदी के सिंह साहिबान ने बीबी दलेर कौर के सोशल मीडिया पर आंसू बहाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि वैसे तो बीबी दलेर कौर खुद को इंटरनेशनल प्रचारक बता AK-47 की बात करती है और अब रो रही है। दूसरी तरफ एक और महिला सिख धर्म प्रचारक प्रभलीन कौर बीबी दलेर कौर के समर्थन में आ गईं। प्रभलीन ने कहा कि सिखी बाणे वाली महिलाओं को धमकाया जा रहा है। हमसे अच्छी तो वो हैं जो नंगी होकर वीडियो डालती हैं। घटना के बाद से दलेर कौर डिप्रेशन में हैं। वह ढंग से सो नहीं पा रही हैं। बता दें कि 22 दिसंबर को बीबी दलेर कौर का गुरदासपुर के पंजगराइयां में धार्मिक समागम था। इसमें बीबी दलेर कौर ने कहा कि जब दशम पिता ने चमकौर की गढ़ी छोड़ी तो अपना कलगी तोड़ा बाबा संगत सिंह को दिया। सिख इतिहास की इस बात पर निहंगों ने बीबी दलेर कौर का विरोध कर दिया। इसकी वजह ये है कि कुछ सिख विद्वान मानते हैं कि दशमेश पिता ने कलगी तोड़ा भाई जीवन सिंह को दिया था।

बांग्लादेश के स्कूल कॉन्सर्ट में भीड़ का हमला

ढाका। बांग्लादेश के फरीदपुर जिले में शुक्रवार की रात डिस्ट्रिक्ट स्कूल की 185वीं एनिवर्सरी के समापन समारोह के दौरान हिंसा हो गई। यहां मशहूर रॉक सिंगर जेम्स (नागर बाउल) का कॉन्सर्ट होना था, इससे ठीक पहले भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। घटना रात करीब 9:30 बजे हुई, जब जेम्स मंच पर आने वाले थे। आयोजकों के अनुसार, कुछ बाहरी लोग जबरन कार्यक्रम स्थल में घुसने की कोशिश कर रहे थे। रोकने पर उन्होंने ईंट-पत्थर और कुर्सियां फेंकना शुरू कर दिया और मंच की ओर बढ़ने लगे। इसके बाद प्रशासन के निर्देश पर कॉन्सर्ट रद्द कर दिया गया। घटना में 20 लोग घायल हो गए। इनमें ज्यादातर छात्र हैं। मौके पर मौजूद छात्रों और स्वयंसेवकों ने स्थिति संभालने की कोशिश की, जिसके बाद हमलावर पीछे हटे। स्थिति बेकाबू होते देख फरीदपुर जिला प्रशासन ने हस्तक्षेप किया। रात करीब 10 बजे आयोजन समिति के संयोजक डॉ. मुस्तफिजुर रहमान शमीम ने मंच से ऐलान किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला उपायुक्त के निर्देश पर जेम्स का कॉन्सर्ट रद्द किया जा रहा है। जेम्स और उनके बैंड सदस्यों को सुरक्षा घेरे में सुरक्षित बाहर निकाला गया। किसी कलाकार को चोट नहीं लगी। वर्षगांठ कार्यक्रम के प्रचार और मीडिया उप-समिति के संयोजक राजिबुल हसन खान ने कहा, "हमने जेम्स के कॉन्सर्ट को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारियां की थीं, लेकिन इस अचानक हमले से हम सभी हैरान हैं। हमें नहीं पता कि यह हमला किसने और क्यों किया।" उन्होंने आगे कहा कि स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए कार्यक्रम रोकना पड़ा। फरीदपुर जिला स्कूल इस क्षेत्र के सबसे पुराने सरकारी संस्थानों में से एक है, जिसकी स्थापना 1840 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। सांस्कृतिक संस्थान छायनाट पर भीड़ ने हमला किया, म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट लूटे थे पुलिस ने इलाके में भारी सुरक्षाबल तैनात किया है और स्थिति को नियंत्रण में लिया है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी की खबर नहीं आई।

सुकेश चंद्रशेखर रंगदारी केस में 217 करोड़ देने को तैयार

नई दिल्ली। जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने 200 करोड़ के रंगदारी मामले में शिकायतकर्ता अदिति सिंह को 217 करोड़ का सेटलमेंट ऑफर दिया है। इसे लेकर सुकेश के वकील अनंत मलिक ने पटियाला हाउस कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज (ASJ) प्रशांत शर्मा को अर्जी दी है। अर्जी में कहा गया है कि यह ऑफर किसी भी अधिकार को नुकसान पहुंचाए बिना दिया गया है और इसका मतलब यह नहीं है कि सुकेश चंद्रशेखर ने अपना जुर्म माना है। साथ ही शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर सेटलमेंट प्रस्ताव को रिकॉर्ड पर लेने की मांग की गई है। अर्जी में कोर्ट से मांग की है कि नई दिल्ली की स्पेशल सेल की FIR से जुड़े इस मामले में सेटलमेंट पर विचार करने की परमिशन दी जाए। कोर्ट ने अभी तक सेटलमेंट वाली अर्जी पर कोई फैसला नहीं दिया है। मामले की अगली सुनवाई 3 जनवरी को होगी। दिल्ली पुलिस ने ठग सुकेश चंद्रशेखर पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से कथित तौर पर 200 करोड़ की ठगी और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया है। इस केस में चंद्रशेखर और उसके सहयोगी ए पॉलोज को गिरफ्तार किया गया था। चंद्रशेखर के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत भी कार्रवाई चल रही है और इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ED) कर रहा है। इसके अलावा केस में महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (MCOCA) भी लगाया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने गलत कमाई का पैसा छिपाने के लिए हवाला और शेल कंपनियों का इस्तेमाल किया। 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस भी ED की जांच के दायरे में हैं। सुकेश चंद्रशेखर के साथ उनकी वायरल रोमांटिक तस्वीरों के बाद जांच में सामने आया कि दोनों कभी रिश्ते में थे। जांच में सामने आया कि सुकेश ने खुद को बिजनेसमैन बताकर जैकलीन से रिश्ता रखा और उन्हें महंगे तोहफे दिए।

जापान में 50 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं, कई गाड़ियां जलकर खाक

बुजुर्ग महिला की मौत, 26 घायल, बर्फीला मौसम बना वजह

एजेंसी, टोक्यो

जापान में शुक्रवार देर रात बर्फीले मौसम के कारण बड़ा सड़क हादसा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, कोहरे के कारण इलाके में विजिबिलिटी कम थी, जिसके चलते दो ट्रक आपस में टकरा गए। टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा ब्लॉक हो गया। पीछे से आ रही गाड़ियां बर्फीली सड़क पर समय रहते ब्रेक नहीं लगा सकीं और देखते ही देखते 50 से ज्यादा गाड़ियां आपस में भिड़ गए। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग लग गई। हादसा गुन्मा प्रान्त के मिनाकामी कस्बे में कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर हुआ।

इसमें 77 साल की बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल हो गए। हादसे के वक्त देश में साल के अंत और नए साल की छुट्टियों को लेकर भारी ट्रैफिक था।

एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां जलकर राख हुईं: पुलिस ने बताया कि घायलों में से पांच की हालत गंभीर है। हादसे के बाद एक गाड़ी में आग लग गई। जो तेजी से फैलते हुए एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियों तक पहुंच गई।

कई वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गए हैं। दमकल कर्मियों को आग बुझाने में सात घंटे लगे आग बुझाने में दमकल कर्मियों को करीब सात घंटे लगे। पुलिस जांच, मलबा हटाने और सड़क की सफाई के चलते एक्सप्रेसवे के कुछ हिस्से अभी भी बंद हैं। यहां शुक्रवार देर रात भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन छुट्टियों के कारण लोग घूमने निकल रहे थे।

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव- महायुति आज सीटों का ऐलान संभव

- एआईएमआईएम नेता बोले- एक दिन हिजाब या बुर्का वाली मेयर बनेगी आप भी उम्मीदवार उतारेगी

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र मे नगर निगम चुनाव की घोषणा के बाद से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बीजेपी, एनसीपी (अजित), शिवसेना (शिंदे) वाले गठबंधन महायुति ने सभी 227 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। बीजेपी विधायक अमित साटम ने कहा- महायुति सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, अभी 200 सीटों पर सहमति बन गई है। AIMIM ने 13 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। इनमें मुंबई, अहमदनगर, लातुर और परभनी सीट भी शामिल हैं। मुस्लिम मेयर बनाए जाने के सवाल पर AIMIM नेता वारिस पठान ने कहा- संविधान समानता की बात करता है मराठी ही क्यों खान, पठान, अंसारी या शेख क्यों नहीं मेयर बन सकते? ने वाले समय में बुर्का वाली या मुस्लिम नाम वाले भी मेयर पद संभाल सकते हैं। पठान के बयान पर मुंबई बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष अमित साटम ने कहा कि मुंबई की आबादी बदलने की साजिश रुकेगी, मुस्लिम मेयर कभी नहीं बनने देंगे। शिंदे गुट के संजय निरुपम ने कहा कि खान-पठान से बैर नहीं, लेकिन मेयर मराठी भाषी लोग तय करेंगे। नगर निगम चुनाव में AAP ने भी चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी भिवंडी, नवी मुंबई और ठाणे में उम्मीदवार उतारेगी। महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के लिए शेड्यूल जारी किया है। इनमें मतदान 15 जनवरी को होंगे और 16 जनवरी को रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

इंडिगो संकट- जांच पैनल ने 22 दिन में रिपोर्ट सौंपी

- सरकार ने गोपनीय रखी, दूसरी रिपोर्ट में दावा- क्रू की कमी नहीं, रोस्टर में गड़बड़ी थी

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडिगो में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन की जांच करने वाले पैनल ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट एविएशन रेगुलेटर DGCA को सौंप दी है। इस कमेटी को 22 दिन पहले 5 दिसंबर को बनाया गया था। हालांकि रिपोर्ट्स में क्या लिखा है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। उधर, अंग्रेजी न्यूज पेपर हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक DGCA के एक अलग सिस्टमैटिक रिव्यू यानी एक तरह की जांच में कहा गया है कि इंडिगो ने नवंबर में अपने 307 एयरबस-विमानों के बेड़े को चलाने के लिए 4,575 पायलटों को नियुक्त किया था। यह ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के तहत जरूरी 3,684 पायलटों की संख्या से 891 ज्यादा थे। इससे पता चलता है कि क्रू की कमी नहीं, बल्कि शेड्यूलिंग (रोस्टर) में गड़बड़ी की वजह से ही फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। इधर, इंडिगो ने फ्लाइट कैंसिलेशन प्रभावित यात्रियों को 10,000 के ट्रैवल वाउचर जारी करना शुरू कर दिया है। ये वाउचर 12 महीने तक वैध रहेंगे।

टेक्सास में चोरों ने कार से बांधकर एटीएम उखाड़ा, मशीन दूसरी गाड़ी में फंसी

घबराकर कार छोड़ पैदल ही भागे

एजेंसी, टेक्सास

सुबह करीब साढ़े तीन बजे, दोनों संदिग्ध एक चोरी की हुई काली SUV गाड़ी में 7-इलेवन स्टोर पहुंचे। एक संदिग्ध स्टोर का शीशा तोड़कर अंदर घुसा। उसने अंदर जाकर ATM पर मेटल केबल बांधा, जबकि दूसरा बाहर गाड़ी में बैठा रहा। पहला चोर मेटल केबल बांधकर बाहर आता है और गाड़ी में बैठे अपने साथी से कार स्टार्ट करने को कहता है। जैसे ही गाड़ी तेजी से आगे बढ़ती है, ATM मशीन पूरी दुकान को चीरती हुई बाहर निकल आती है। इससे स्टोर के सामने के दरवाजे, शीशे और अंदर की अलमारियां पूरी तरह तहस-नहस हो गईं, सामान इधर-उधर बिखर गया और काफी नुकसान हुआ।

सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि चोर ATM को बाहर निकालने के लिए दो बार कोशिश करते हैं। गाड़ी के तेजी से आगे बढ़ने के कारण ATM से केबल निकल जाती है। चोर फिर से केबल ATM से बांधता है और खींचने की कोशिश करता है, लेकिन इसबार ATM दूसरी गाड़ी में फंस जाती है। इसके कारण चोर ATM नहीं ले जा पाते हैं, जिसे पुलिस ने बाद में बरामद कर लिया। चोरों की गाड़ी भी स्टोर से कुछ दूर लावारिस हालत में मिली। पुलिस का मानना है कि संदिग्ध पैदल ही भाग गए होंगे या किसी अन्य वाहन में बैठकर उसे छोड़कर चले गए होंगे।

चोरी से स्टोर को नुकसान: इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन स्टोर को भारी नुकसान पहुंचा। व्हाइट सेटलमेंट पुलिस विभाग इन दोनों संदिग्धों की तलाश कर रहा है, जो काले हुडी, पैंट, मास्क और ऑरेंज दस्ताने पहने थे। पुलिस को शक है कि ये चोर हाल के दिनों में आसपास के इलाकों में हुई इसी तरह की दो अन्य घटनाओं से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस ने लोगों से मदद की अपील की है। साथ ही किसी भी तरह की जानकारी मिलने पर सूचना की बात कही।

2 साल में 14 लाख पढ़े-लिखे पाकिस्तानियों ने देश छोड़ा

- महंगाई-आतंकवाद बड़ी वजह, पाक आर्मी चीफ के पुराने बयान का मजाक उड़ा

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान में महंगाई, आतंकवाद, कमजोर अर्थव्यवस्था और राजनीतिक अस्थिरता की वजह से पढ़े-लिखे लोग देश छोड़ रहे हैं। इस समय देश सबसे बड़े 'ब्रेन ड्रेन' यानी पढ़े-लिखे और कुशल लोगों के देश छोड़ने की दिक्कत से गुजर रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक साल 2024–25 में करीब 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 अकाउंटेंट देश से बाहर चले गए। सबसे ज्यादा असर नर्सिंग सेक्टर पर पड़ा है, जहां हर साल हजारों नर्स विदेश में नौकरी ढूंढ रही हैं। ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन एंड ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट के मुताबिक, सिर्फ 2024 में ही लगभग 7.27 लाख पाकिस्तानियों ने विदेश में काम करने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। वहीं नवंबर 2025 तक करीब 6.87 लाख लोग देश छोड़ चुके थे। बीते कुछ 2 सालों में कुल मिलाकर 14 लाख से ज्यादा पाकिस्तानी विदेश जा चुके हैं। इस बीच पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिम मुनीर का सोशल मीडिया पर मजाक बन रहा है। कुछ महीने पहले आसिम मुनीर ने अमेरिका दौरे पर प्रवासी पाकिस्तानियों को देश की शान बताया था और कहा था कि इसे 'ब्रेन ड्रेन' नहीं बल्कि 'ब्रेन गेन' कहा जाना चाहिए। उनका कहना था कि विदेश में रहने वाले पाकिस्तानी देश के लिए गर्व का कारण हैं।

राजनीतिक उथल-पुथल ने लोगों का भरोसा तोड़ा: एक्सपर्ट्स का कहना है कि देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है, नौकरियां कम हैं और जो नौकरियां हैं, उनमें सैलरी बहुत कम। इसके साथ ही राजनीतिक उथल-पुथल और कमजोर प्रशासन ने भी लोगों का भरोसा तोड़ा है। तकनीक के क्षेत्र में करियर के मौके सीमित हैं और रिसर्च के लिए न तो जरूरी पैसा नहीं है। ऐसे में युवा और कुशल लोग विदेश जाना ही बेहतर समझ रहे हैं।

इंटरनेट बंद रहने से पाकिस्तान को 15 हजार करोड़ का नुकसान: डिजिटल समस्याएं भी इस संकट को और गहरा बना रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में इंटरनेट बंद रहने से होने वाले आर्थिक नुकसान के मामले में पाकिस्तान दुनिया में सबसे ऊपर रहा। इससे देश को करीब 1.62 अरब डॉलर (15 हजार करोड़) का नुकसान हुआ। इंटरनेट बार-बार बंद रहने और धीमी सर्विस के कारण फ्रीलांसरों और ऑनलाइन काम करने वालों को भारी दिक्कत हुई। कई लोगों ने बताया कि उनके काम के मौके करीब 70% तक कम हो गए।

नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते हैं, चुनाव 18 जनवरी से शुरू होंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

नितिन नबीन ने दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में 15 दिसंबर को भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला था। भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी ANI ने पार्टी सूत्रों से दी है। सूत्रों के अनुसार उनकी नियुक्ति का ऐलान 20 जनवरी को किया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 18 से 20 जनवरी के बीच पूरी होने की संभावना है। नितिन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा होंगे। उनका कार्यकाल जनवरी 2029 तक रहेगा। 2029 में लोकसभा चुनाव प्रस्तावित होने के कारण उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। पार्टी देशभर के प्रदेश अध्यक्षों को 15 जनवरी के बाद दिल्ली बुलाने की तैयारी में है। इससे पहले 2028 जेपी नड्डा को भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। बाद में उन्हें ही स्थायी अध्यक्ष बनाया था। नितिन नबीन ने 15 दिसंबर को भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला था। गृहमंत्री अमित शाह और निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनका स्वागत किया था। नितिन नबीन ने 15 दिसंबर को भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला था। गृहमंत्री अमित शाह और निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनका स्वागत किया था।

- 20 को ऐलान होगा, इसी महीने कार्यकारी अध्यक्ष बने

संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया आधे से ज्यादा राज्यों में पूरी: भाजपा संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया पार्टी शासित आधे से ज्यादा राज्यों में पूरी हो चुकी है। 37 में से 29 राज्यों में आंतरिक चुनावों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इन राज्यों के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों का एक सेट जमा करेंगे। इसके अलावा भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी नितिन नबीन के पक्ष में एक अलग सेट में नामांकन दाखिल करेंगे। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन के समर्थन में दाखिल नामांकन पत्रों पर PM नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दस्तखत भी होंगे। सूत्रों का दावा है कि नितिन नबीन ही एकमात्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने वाले हैं, इसलिए भाजपा के मुख्य चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण नामांकन पत्रों की जांच के बाद उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। इस मौके पर भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रदेश अध्यक्षों को दिल्ली में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को 14 दिसंबर को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी बनाया गया था।

आप सांसद राघव चड्ढा ने डिलीवरी बॉय को घर बुलाया

एजेंसी, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कॉमर्शियल साइट के डिलीवरी एजेंट को अपने घर लंच पर बुलाया। दरअसल, कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें डिलीवरी एजेंट ने बताया था कि उसने 15 घंटे में 28 डिलीवरी करने के बाद सिर्फ 763 कमाए। राघव ने वीडियो देखा। इसके बाद उनकी टीम ने डिलीवरी एजेंट से संपर्क किया। एजेंट को राघव के दिल्ली वाले घर पर बुलाया। राघव ने एजेंट के साथ अपनी बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड भी किया। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राघव चड्ढा ने संसद में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि इन वर्कर्स की हालत दिहाड़ी मजदूरों से भी बदतर हो गई है। डिलीवरी बॉय, राइडर, ड्राइवर और टेक्नीशियन सम्मान, सुरक्षा और उचित कमाई के हकदार हैं। राघव चड्ढा ने सदन से मांग की थी कि ये 10 मिनट डिलीवरी का कल्चर खत्म होना चाहिए। गिग वर्कर्स को भी बाकी इम्प्लॉइज जैसी सुविधाएं मिलनी चाहिए। डिलीवरी एजेंट के साथ लंच के बाद राघव चड्ढा ने कहा कि मुझे अच्छा लगा कि आप आए, आपने अपनी समस्याएं बताईं। हम मिलकर सभी गिग वर्कर्स की समस्या उठाएंगे।

आईपीएल में बांग्लादेशी क्रिकेटर्स पर संतों का सख्त अल्टीमेटम

एजेंसी, हरिद्वार

IPL 2026 के लिए बांग्लादेशी क्रिकेटर्स की खरीदारी किए जाने और खिलाने के खिलाफ हरिद्वार के साधु-संतों खुलकर सामने आ गए है। साधु-संतों ने आयोजकों को चेतावनी जारी की कि अगर बांग्लादेशी क्रिकेटर्स के साथ भारतीय खिलाड़ी खेलते है तो वे इसका विरोध करेंगे। उन्होंने भारतीय क्रिकेटर्स से भी इस पर गौर करने को कहा है। संतों ने कहा है कि अगर वो इन क्रिकेटर्स के साथ खेलेंगे तो वो भी जिहादी कहलाएंगे और उनका भी विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया है। हिन्दुओं को मारा है, काटा है, जलाया है। अगर उन बांग्लादेशियों के साथ मैच हुआ तो वे लोग हजारों पदाधिकरियों के साथ सड़क पर उतर जाएंगे। IPL में बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खिलाफ हरिद्वार के माया देवी मंदिर में आज यानी शनिवार को संत समाज, श्री अखंड परशुराम अखाड़ा और विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि IPL के लिए न तो बांग्लादेशी खिलाड़ियों की खरीद की जाए और न ही उन्हें मैचों में शामिल किया जाए। प्रदर्शन के दौरान संत समाज और सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे।

आचार्य बोले- बांग्लादेशी खिलाड़ियों के साथ मैच होगा तो सड़कों पर उतरेंगे: आचार्य पवन कृष्ण शास्त्री ने कहा कि ये जो IPL होने जा रहा है। जिन बांग्लादेशियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया है। हिन्दुओं को मारा है, काटा है, जलाया है, उन बांग्लादेशियों के साथ अगर मैच हुआ। अगर उन बांग्लादेशी खिलाड़ियों को जिहादियों को, अगर मैच में खरीदा गया, इनके साथ अगर मैच खेला गया तो श्री अखंड परशुराम अखाड़ा अपने हजारों पदाधिकरियों के साथ, हजारों-हजारों सिपाहियों के साथ सड़क पर उतरेगा। जहां मैच हो रहा होगा वहां जाकर विरोध करेगा। क्योंकि बांग्लादेश एवम पाकिस्तानी जितने भी खिलाड़ी है उनको खरीदने वाला उनके साथ संबंध रखने वाला वो भी जिहादी प्रवृत्ति का होगा और उनका विरोध करने का कार्य श्री अखंड परशुराम अखाड़ा करेगा।

- बोले-बांग्लादेशियों का साथ देने वाले भी कहलाएंगे जिहादी, हत्यारों संग नहीं होने देंगे मैच

भास्कर पुरी बोले- बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हमला बर्दाश्त नहीं: साथ ही यह भी कहा गया कि जहां-जहां बांग्लादेशी खिलाड़ी खेलने जाएंगे, वहां जाकर विरोध प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया जाएगा। इस मौके पर संत जूना अखाड़ा से जुड़े भास्कर पुरी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों के विरोध में यह प्रदर्शन किया जा रहा है। उनका कहना था कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों पर हमले, मारपीट और हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com